छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—दिसम्बर, 2012

कक्षा-12वीं

विषय- लेखांकन

सेट-1

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(i) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न के दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' बहुविकल्पीय तथा खण्ड 'ब' रिक्त स्थान की पूर्ति है। प्रत्येक प्रश्न-पर 1 अंक है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 2 से 9 तक के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिये। प्रत्येक प्रश्न में 2 अंक हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 10 से 15 तक के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न में 3 अंक हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक के उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न में 4 अंक हैं तथा आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 22 से 25 तक के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न में आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(vi) प्रश्न क्रमांक 26 एवं 27 के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 6 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न में आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(vii) आंकिक प्रश्नों हेतु उचित गणनाएँ दीजिये। इन प्रश्नों हेतु शब्द सीमा लागू नहीं होगी।

प्रश्न 1. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

खण्ड-(अ)

1. सही विकल्प चुनकर लिखिये :

(i) चालू व्यापार की अवधारणा के अनुसार व्यवसाय के चालू रहने के बारे में मान्यता होती है—

(अ) असीमित अवधि (ब) समुचित दीर्घकाल

(स) अल्पकाल (द) 1 वर्ष

उत्तर—(अ) असीमित अवधि।

(ii) व्यापार खाता दिखाता है—

(अ) सकल लाभ/हानि (ब) शुद्ध लाभ/हानि

(स) कुल पूँजी (द) कुल सम्पत्ति

उत्तर—(अ) सकल लाभ/हानि।

(iii) पुनर्मूल्यांकन खाते की लाभ-हानि का बँटवारा किस अनुपात में किया जाता है—

(अ) पुराने अनुपात में (ब) नये अनुपात में

(स) त्याग अनुपात में (द) लाभ प्राप्ति अनुपात में

उत्तर—(अ) पुराने अनुपात में।

(iv) समय एवं व्ययों की क्षय को निम्नलिखित में से कौन जाँच सकता है—
(अ) कर्मचारी (ब) लेनदार (स) देनदार (द) प्रबन्ध
उत्तर—(द) प्रबन्ध।

(v) चालू अनुपात का आदर्श स्तर है—
(अ) 4 : 1 (ब) 2 : 1 (स) 1 : 1 (द) 0.5 : 1
उत्तर—(ब) 2 : 1

खण्ड-(ब)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) चालू अनुपात के दो तत्व चालू सम्पत्तियाँ एवं ..... होते हैं।
उत्तर—चालू देयताएँ।

(ii) मितव्ययी आदेश मात्रा को ..... आदेश मात्रा भी कहा जाता है।
उत्तर—मानक।

(iii) अंशों को बट्टे पर निर्गमित करते समय बट्टा राशि अधिकतम ..... प्रतिशत हो सकती है।
उत्तर—10%

(iv) आज जो देय से पूर्व ही प्राप्त हो चुकी हो ..... कहलाती है।
उत्तर—अनुपार्जित आय।

(v) ख्याति एक ..... सम्पत्ति है।
उत्तर—अमूर्त।

प्रश्न 2. मिश्रित प्रविष्टि किसे कहते हैं ?

उत्तर—जब एक ही तिथि पर एक ही प्रकार के दो या अधिक व्यवहार होते हैं तो ऐसे व्यवहारों का लेखा उसी तिथि को अलग-अलग न करके एक साथ कर दिया जाता है। इसे ही मिश्रित प्रविष्टि (लेखा) कहते हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित नकल की प्रविष्टि कीजिए—

राज को 5% व्यापारिक छूट पर ₹ 1,600 का माल विक्रय किया जिसके पूर्ण भुगतान में ₹ 20 रोकड़ छूट देने के बाद राशि प्राप्त हुई।

हल : **पंजी प्रविष्टि**

रोकड़ खाता	विक.	1,500	
बट्टा खाता	विक.	20	
विक्रय खाते से			1,520
(नकद माल बेचा छूट दी)			

प्रश्न 4. तलपट बनाने की किन्हीं दो विधियों के नाम लिखिए।

उत्तर—तलपट बनाने की विधि—1. शेष विधि—शेष विधि में प्रत्येक खाते का शेष निकाला जाता है और प्रत्येक खाते के सामने लिखा जाता है। हम विकलन शेष को विकलन स्तंभ में और समाकलन शेष को समाकलन स्तंभ में लिखते हैं।

2. योग विधि—इस विधि में खाता बही से सभी खातों के दोनों पक्षों का योग अपने-अपने नाम के सामने लिखा जाता है तथा उसका विकलन या समाकलन शेष रूप में शेष नहीं निकाला जाता है।

प्रश्न 5. पेशेवर व्यक्ति किसे कहते हैं ?

उत्तर—वह व्यक्ति जो अपने विशिष्ट ज्ञान एवं कौशल की सहायता से दूसरों की सेवा कर आय कमाता है, पेशेवर व्यक्ति कहलाता है। जैसे—डॉक्टर, वकील, इंजीनियर आदि।

प्रश्न 6. परिवर्तनशील पूंजी लेखे से क्या आशय है ?

उत्तर—जब साझेदारों के समस्त लेन-देनों, जैसे—पूँजी पर ब्याज, आहरण पर ब्याज, आहरण,

वेतन, कमीशन, बोनस आदि का लेखा केवल पूंजी खाता में ही किया जाता है जिससे उसकी पूंजी परिवर्तित होती रहती है तो इसे अस्थायी या परिवर्तनशील पूँजी खाता कहते हैं।

प्रश्न 7. किसी साझेदार के द्वारा अवकाश ग्रहण करने के दो कारण बताइये।

उत्तर—साझेदार के द्वारा अवकाश ग्रहण करने का कारण—

1. वृद्धावस्था—जब साझेदार उम्र के ऐसे पड़ाव में पहुँच जाता है जब वह कार्य करने के योग्य या जोखिम उठाने योग्य नहीं रह जाता है तो वह साझेदारी से अवकाश ग्रहण कर लेता है।

2. बीमारी या अस्वस्थता—जब कोई साझेदार लम्बी अवधि तक बीमार हो जाता है जिसके कारण वह शारीरिक या मानसिक रूप से कार्य के योग्य नहीं रह जाता है, तो ऐसी दशा में फर्म से अवकाश ग्रहण कर लेता है।

प्रश्न 8. समविच्छेद बिन्दु क्या है ?

उत्तर—समविच्छेद बिन्दु वह बिन्दु होता है जहाँ कुल लागत कुल विक्रय के बराबर होता है। अर्थात् कुल लागत = कुल आगम। इस बिन्दु पर न तो लाभ होता है न ही हानि। इस बिन्दु को न लाभ न हानि बिन्दु भी कहा जाता है।

प्रश्न 9. उपरिव्यय का अर्थ बताइये।

उत्तर—अप्रत्यक्ष सामग्री, अप्रत्यक्ष क्षय एवं अप्रत्यक्ष व्ययों की लागत के योग को उपरिव्यय कहते हैं।

प्रश्न 10. दोहरा लेखा प्रणाली की कोई तीन विशेषताएँ बताइये।

उत्तर—दोहरा लेखा प्रणाली की विशेषताएँ—

1. दो पक्षों का प्रभावित होना—दोहरा लेखा प्रणाली में प्रत्येक सौदा दो पक्षों को प्रभावित करता है। एक पक्ष नाम होता है तो दूसरा पक्ष जमा होता है।

2. वैज्ञानिक प्रणाली—लेखांकन की यह प्रणाली सुनिश्चित वैज्ञानिक सिद्धान्तों पर एवं नियमों पर आधारित है।

3. वैधानिक मान्यता—दोहरा लेखा प्रणाली को वैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त है।

प्रश्न 11. बैंक समाधान विवरण की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर—बैंक समाधान विवरण की विशेषताएँ—

1. यह विवरण एक निश्चित तिथि को बनाया जाता है।

2. यह विवरण रोकड़ बही के बैंक खाने के शेष तथा बैंक पास बुक के शेष में अंतर होने पर ही तैयार किया जाता है।

3. बैंक समाधान विवरण ग्राहक द्वारा हो अथवा व्यापारी द्वारा तैयार किया जाता है।

प्रश्न 12. पूँजीगत तथा आगमगत प्राप्तियों में अंतर बताइये।

उत्तर—पूँजीगत प्राप्ति तथा आगमगत प्राप्ति में अंतर—

आधार	पूँजीगत प्राप्तियाँ	आगमगत प्राप्तियाँ
आय प्राप्ति	स्थाई सम्पत्ति के विक्रय से प्राप्त आय पूँजीगत प्राप्ति कहलाती है।	व्यापार के दौरान प्राप्त आय आगमगत प्राप्ति कहलाती है।
स्वभाव	यह अनावर्तक प्रकृति की होती है।	यह आवर्तक प्रकृति की होती है।
रकम	पूँजीगत प्राप्ति सामान्यतया बड़ी होती है।	आगमगत प्राप्ति की राशि सामान्यतया छोटी होती है।
आय की क्षतिपूर्ति	आय प्राप्ति के साधन छोड़ने पर प्राप्त	मिलने वाली आय की क्षतिपूर्ति पर प्राप्त राशि आगमगत प्राप्ति होती है।

प्रश्न 13. एक कम्पनी ने ₹ 20 वाले 20,000, 8% ऋणपत्र जनता को जारी किये। सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त हो गई। कम्पनी की पुस्तक में आवश्यक पंजी प्रविष्टियां दीजिए।

हल : **पंजी प्रविष्टियाँ**

तिथि	विवरण		विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1	बैंक खाता	विक.	4,00,000	
	8% ऋणपत्र आवेदन खाते से			4,00,000
	(20,000 ऋणपत्रों की आवेदन राशि प्राप्त)			
2	8% ऋणपत्र आवेदन खाता	विक.	4,00,000	
	8% ऋणपत्र आवेदन खाते से			4,00,000
	(ऋणपत्र के आवेदन राशि का अंतरण)			

प्रश्न 14. निम्नलिखित सूचना से तरल अनुपात ज्ञात कीजिए—

कुल चालू सम्पत्तियाँ	90,000
स्टॉक	30,000
पूर्वदत्त व्यय	3,000
चालू देयताएँ	60,000

हल : तरल अनुपात की गणना—

$$\text{तरल अनुपात} = \frac{\text{चालू सम्पत्तियाँ} - (\text{स्टॉक} + \text{पूर्वदत्त व्यय})}{\text{चालू देयताएँ}}$$

$$= \frac{90,000 - (30,000 + 3,000)}{60,000}$$

$$= \frac{57,000}{60,000}$$

$$= 0{\cdot}95 : 1.0$$

उत्तर

प्रश्न 15. वित्तीय लेखांकन एवं लागत लेखांकन में अंतर स्पष्ट कीजिए। (कोई तीन)।

उत्तर—वित्तीय लेखांकन एवं लागत लेखांकन में अंतर—

क्र. सं.	आधार	वित्तीय लेखांकन	लागत लेखांकन
1.	उद्देश्य	यह व्यवसाय के वित्तीय निष्पादन, परिणाम एवं स्थिति की सूचनाएँ प्रदान करते हैं।	यह लागत का निर्धारण एवं विश्लेषण कर निर्णय लेने के लिए सूचनाएँ प्रदान करता है।
2.	समयावधि	वित्तीय विवरणों को सामान्यत: 1 वर्ष की अवधि के लिए बनाया जाता है।	यह विवरण एवं प्रतिवेदन आवश्यकतानुसार दैनिक, साप्ताहिक, मासिक या वार्षिक बनाया जाता है।
3.	आँकड़ों का अभिलेखन	यह ऐतिहासिक (यथार्थ) आँकड़ों का अभिलेखन करता है।	इसमें अनुमानित एवं ऐतिहासिक दोनों प्रकार के आँकड़ों का अभिलेखन किया जाता है।

प्रश्न 16. दोहरा लेखा प्रणाली के मूल सिद्धांतों को समझाइये।

उत्तर—दोहरा लेखा प्रणाली के सिद्धान्त—1. दो पक्षों पर प्रभाव—दोहरा लेखा प्रणाली पर दो पक्षों का प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक व्यापारिक सौदे में एक पक्ष पाता है तो दूसरा पक्ष देता है। अत: किसी भी व्यापारिक सौदे में दो पक्षों का होना आवश्यक होता है।

2. खातों के दो पक्ष—प्रत्येक खाते में डेबिट और क्रेडिट पक्ष होते हैं। प्रत्येक सौदे के फलस्वरूप एक खाते का एक ही पक्ष प्रभावित होता है।

3. विपरीत पक्षों में लेखा—प्रत्येक सौदे का लेखा खाते के डेबिट पक्ष में लिखा जाता है, तो दूसरे खाते के क्रेडिट पक्ष में लिख जाता है अर्थात् प्रत्येक सौदे का लेखा खातों के विपरीत पक्ष में होता है।

4. तीन चरणों में लेखा—प्रत्येक व्यापारिक सौदों को सर्वप्रथम प्रारंभिक लेखों में तत्पश्चात् खाताबही में लिखा जाता है। इसके बाद अंतिम खाते तैयार किये जाते हैं।

अथवा

प्रश्न—पूर्ण प्रकटीकरण के सिद्धान्त को समझाइये।

उत्तर—लेखांकन सम्बन्धी समस्त आवश्यक सूचनाओं एवं तथ्यों को प्रस्तुत करना ही पूर्ण प्रकटीकरण कहलाता है। यह सिद्धांत हमें यह बताता है कि लेखा कार्य के दौरान वित्तीय मामलों से सम्बन्धित सभी सूचनाएँ एवं जानकारियों को स्पष्ट रूप से एवं पूर्णत: प्रकट कर देना चाहिए। सूचनाओं के पूर्ण प्रकटीकरण के द्वारा वित्तीय विवरण का प्रयोग करने वाले समस्त पक्षकार, जैसे—विनियोजकों, स्वामियों, वर्तमान तथा भावी लेनदारों की आवश्यकताओं को संतुष्ट किया जा सकता है। यह सिद्धांत इतना महत्वपूर्ण है कि कम्पनी अधिनियम 1956 में किसी कम्पनी के वित्तीय विवरणों में सूचनाओं के पूर्ण प्रकटीकरण के लिए प्रावधान किये गए हैं। यही कारण है कि कम्पनी अपने अंतिम खाते निर्धारित प्रारूप में तैयार करती है तथा सभी संभाव्य दायित्वों का उल्लेख एवं अन्य जानकारियाँ सही रूप में प्रस्तुत करती हैं।

प्रश्न 17. राहुल के खाते में ₹ 12,600 का जमा शेष था। जुलाई 2009 में निम्नलिखित लेन-देन हुए—

वर्ष 2009		₹
जुलाई-05	उन्हें भुगतान किया	8,600
जुलाई-06	उनसे उधार माल खरीदा	6,000
जुलाई-08	उन्हें नकद चुकाये	3,000

राहुल का खाता तैयार कीजिए व शेष निकालिए।

हल : **राहुल का खाता**

विक. **समा.**

तिथि	विवरण	खा. पृ.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	खा.पृ.	राशि (₹)
2009				2009			
जुलाई 5	रोकड़ खाते से		8,600	जुलाई 5	शेष नी/ला		12,600
जुलाई 8	रोकड़ खाते से		3,000	जुलाई 6	क्रय खाते को		
6,000							
जुलाई 31	शेष नी/ले		7, 000				
			18,600				18,600

	अग. 1	शेष नी/ला	7,000

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित लेन-देनों को साधारण रोकड़ में लिखिए :

वर्ष 2009		**₹**
अप्रैल 1	रोकड़ से व्यापार प्रारम्भ किया	30,000
अप्रैल 2	रोकड़ से माल क्रय किया	10,000
अप्रैल 3	फर्नीचर क्रय किया	1,000
अप्रैल 6	रोकड़ में माल का विक्रय	7,000
अप्रैल 9	भाड़े का भुगतान किया	200

हल : **साधारण रोकड़ खाता**

विक. **समा.**

तिथि	**विवरण**	**खा. पृ.**	**राशि (₹)**	**तिथि**	**विवरण**	**खा. पृ.**	**राशि (₹)**
2009				2009			
अप्रैल 1	पूँजी खाते से		30,000	अप्रैल 2	क्रय खाते को		10,000
अप्रैल 6	विक्रय खाते से		7,000	अप्रैल 3	फर्नीचर खाते को		1,000
				अप्रैल 9	भाड़ा खाते का		200
				अप्रैल 30	शेष नी/ला		25,800
			37,000				37,000
मई 1	शेष नी/ला		25,800				

प्रश्न 18. राहुल क्लब का 31 मार्च, 2006 को प्राप्ति एवं भुगतान खाता निम्न प्रकार था—

प्राप्ति भुगतान खाता

प्राप्ति	**राशि (₹)**	**भुगतान**	**राशि (₹)**
शेष ला/ग	8,400	वेतन	12,000
चन्दा	7,800	किराया	6,000
प्रवेश शुल्क	600	वैन का क्रय	28,000
सरकारी सहायता	30,000	वैन का खर्च	6,400
भवन कोष के लिये दान	25,000	धुलाई खर्च	5,200
प्राप्त ब्याज	2,400	दवाइयाँ एवं सम्बन्धित व्यय	9,600
		प्रचार व्यय	4,000
		शेष ले/ग	3,000
	74,200		74,200

अतिरिक्त सूचनाएँ—

(i) अदत्त चन्दा ₹ 1,500 था।

(ii) ब्याज देय लेकिन प्राप्त नहीं हुआ ₹ 600

(iii) अदत्त वेतन ₹ 1,200 है।

(iv) मोटर वैन पर 20% की दर से अवक्षयण लगाया गया।

आय-व्यय खाता तैयार कीजिए।

हल : राहुल क्लब का

आय-व्यय खाता

(31 मार्च, 2006 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए)

व्यय		राशि (₹)	आय		राशि (₹)
वेतन	12,000		चन्दा	7,800	
(+) अदत्त वेतन	1,200	13,200	(+) अदत्त चंदा	1,500	9,300
किराया		6,000	प्रवेश शुल्क		600
वैन का खर्च		6,400	ब्याज	2,400	
धुलाई खर्च		5,200	(+) अर्जित ब्याज	600	3000
दवाइयाँ एवं सम्बन्धित व्यय		9,600			
प्रचार व्यय		4,000	व्यय का आय पर आधिक्य		37,100
मोटर वैन पर अवक्षयण		5,600	(हानि)		
		50,000			50,000

अथवा

जंगलों के संरक्षण के लिये कार्य कर रही गैर-सरकारी संगठन 'आलग्रीन एवर ग्रीन' के सम्बन्ध में 31 दिसम्बर 2006 को सूचना नीचे दी गई है—

हस्तस्थ रोकड़	1,400	बैंक में स्थायी जमा	1,00,000
बैंक में रोकड़	21,800	वर्ष 2007 के लिये प्राप्त चंदा	3,800
पुस्तकें	78,000	अदत्त किराया	4,000
फर्नीचर	16,000	प्रचार कोष	35,000
कम्प्यूटर	24,000	भवन कोष	80,000
अदत्त चन्दा	2,600		

इस तिथि को स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

हल : आलग्रीन एवर ग्रीन का स्थिति विवरण

(31 दिसम्बर, 2006 को)

देयताएँ	राशि (₹)	परिसम्पत्तियां	राशि (₹)
अग्रिम प्राप्त चंदा	3,800	हस्तस्थ रोकड़	1,400
अदत्त किराया	4,000	बैंक में रोकड़	21,800
प्रचार कोष	35,000	अदत्त चंदा	2,600
भवन कोष	80,000	पुस्तकें	78,000
पूँजी कोष/सामान्य कोष	21,000	फर्नीचर	16,000
(शेष राशि)		कम्प्यूटर	24,000
		बैंक में स्थायी जमा	1,00,000
	2,43,800		2,43,800

प्रश्न 19. A एवं B एक फर्म में साझेदार हैं। 31 दिसम्बर, 2009 को निम्नलिखित सूचनाएँ उपलब्ध करायी गईं—

	A	B
पूँजी (1.1.2009 को)	40,000	30,000

आहरण	3,000	2,000
पूँजी पर ब्याज	2,000	1,500
आहरण पर ब्याज	360	180
लाभ का भाग	5,000	4,000

प्रत्येक साझेदार के लिए पूँजी खाते तैयार कीजिए जबकि पूँजी स्थायी हो।

हल : स्थायी पूंजी की दशा में

पूँजी खाता

विक. **समा.**

तिथि	विवरण	खा. पृ.	A	B	तिथि	विवरण	खा. पृ.	A	B
	शेष नी/ले		40,000	30,000		शेष नी/ला		40,000	30,000
			40,000	30,000				40,000	30,000
						शेष नी/ले		40,000	30,000

अथवा

प्रश्न—A और B क्रमशः ₹ 80,000 एवं ₹ 1,00,000 पूँजी के साथ साझेदार हैं। वे निम्न शर्तों पर सहमत हुए—

(i) लाभ का एक समान विभाजन होगा।

(ii) पूँजी पर 9% वार्षिक की दर से ब्याज दिया जायेगा।

(iii) आहरण पर 6% वार्षिक की दर से ब्याज लगाया जायेगा।

(iv) B को ₹ 600 प्रतिमाह वेतन दिया जायेगा।

(v) वर्ष के दौरान A ने ₹ 8,000 एवं B ने ₹ 6,000 निकाले।

दिसम्बर 31, 2009 को समाप्त होने वाले वर्ष में लाभ 56,000 रु. हुआ। लाभ-हानि विनियोजन खाता तैयार कीजिए।

हल : **लाभ-हानि नियोजन खाता**

विक. **समा.**

विवरण		राशि (₹)	विवरण		राशि (₹)
पूंजी पर ब्याज			लाभ-हानि को		56,000
A :	7,200		आहरण पर ब्याज		
B :	9,000	16,200	A :	480	
B को वेतन		7,200	B :	360	840
लाभ (साझेदारों के पूँजी खाते में स्थानान्तरित)					
A :	16,720				
B :	16,720	33,440			
		56,840			56,840

प्रश्न 20. X और Y साझेदार हैं। लाभ-हानि का विभाजन 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। 31 दिसम्बर, 2008 को वे मीना को 1/4 भाग के लिए साझेदारी में प्रवेश देते हैं। इस तिथि को फर्म का स्थिति विवरण ₹ 30,000 सामान्य संचय तथा ₹ 9,000 लाभ-हानि का

डेबिट शेष दिखाता है। आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ करें।

हल : **पंजी प्रविष्टियाँ**

तिथि	विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1	सामान्य संचय खाता का विक.		30,000	
	X के पूँजी खाते से			20,000
	Y के पूँजी खाते से			10,000
	(पूंजी खाते में स्थानांतरित)			
2	X का पूँजी खाता विक.		6,000	
	Y का पूँजी खाता विक.		3,000	
	लाभ-हानि खाते से			9,000
	(हानि को पूँजी खाते में स्थानांतरित करने पर)			

अथवा

प्रश्न—एक फर्म की कार्यशील पूँजी ₹ 40,000 है। इस प्रकार के व्यवसाय में 10% सामान्य लाभ होने का अनुमान है। फर्म के 5 वर्षों का औसत लाभ ₹ 8,000 है। संलेख के अनुसार ख्याति का मूल्य "छले 5 वर्षों के अधिलाभ का तीन गुना है। ख्याति की राशि ज्ञात कीजिए।

हल : सामान्य लाभ = $\frac{\text{पूंजी} \times \text{लाभ की दर}}{100}$

$= \frac{40,000 \times 10}{100} = ₹\ 4,000$

अधिलाभ = वास्तविक औसत लाभ – सामान्य लाभ

= 8,000 – 4,000

= ₹ 4,000

ख्याति का मूल्य = अधिलाभ × 3

= 4,000 × 3

= ₹ 12,000

प्रश्न 21. एक कम्पनी ने मि. रमेश से ₹ 2,20,000 में एक भवन खरीदा तथा इस एवज में ₹ 100 वाले अंश 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ दीजिए।

हल : **पंजी प्रविष्टियाँ**

तिथि	विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1	भवन खाता विक.		2,20,000	
	रमेश से			2,20,000
	(भवन क्रय करने पर)			

2	रमेश का खाता विक.		2,20,000	
	समता अंश पूंजी खाते से			2,00,000
	प्रीमियम खाते से			20,000
	(भवन क्रय करने के प्रतिफल में अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन करने पर)			

गणनाएँ : अंशों का अंकित मूल्य = ₹ 100

10% प्रीमियम राशि = ₹ 10

प्रीमियम सहित अंशों का मूल्य = ₹ 110

अत: अंशों की संख्या = $\frac{2,20,000}{110}$

= 2,000 अंश

भवन का मूल्य = 2,20,000

(–) निर्गमित अंशों का मूल्य = 2,00,000

प्रीमियम राशि = 20,000

अथवा

प्रश्न—A लिमिटेड ने ₹ 100 वाले 2,000, 5% ऋणपत्र, 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये जिन पर ₹ 20 आवेदन पर तथा शेष प्रीमियम सहित आबंटन पर देय था। A लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल: A लिमिटेड की पुस्तकों में

जर्नल प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1.	बैंक खाता विक.		40,000	
	5% ऋणपत्र आवेदन खाते से			40,000
	(आवेदन पर राशि प्राप्त होने पर)			
2.	5% ऋणपत्र आवेदन खाता विक.		40,000	
	5% ऋणपत्र खाते से			40,000
	(आवेदन की राशि को ऋणपत्र खाते में अंतरित करने पर)			
3.	5% ऋणपत्र आबंटन खाता विक.		1,80,000	
	5% ऋणपत्र खाते से			1,60,000
	प्रीमियम खाते से			20,000
	(आबंटन पर राशि प्राप्य होने पर)			
4.	बैंक खाता विक.		1,80,000	
	5% ऋणपत्र आबंटन खाते से			1,80,000
	(आबंटन पर राशि प्राप्य होने पर)			

प्रश्न 22. निम्नलिखित सूचना के आधार पर 31 दिसम्बर, 2009 को एक बैंक समाधान विवरण पत्र बनाइये—

(i) ग्राहक के पक्ष में पासबुक का शेष ₹ 1,250

(ii) चेक जारी किये किन्तु भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं ₹ 1,500

(iii) चेक, बैंक में जमा किये परन्तु संग्रहीत नहीं हुए ₹ 500

(iv) बैंक ने ब्याज जमा किया जिसका लेखा रोकड़ बही में नहीं है, ₹ 30

(v) एक ग्राहक ने सीधे बैंक में जमा कराये ₹ 100

(vi) बैंक ने बीमा प्रीमियम चुकाई, ₹ 100

हल : **बैंक समाधान विवरण**

विवरण	विस्तार राशि (₹)	राशि (₹)
पासबुक के अनुसार शेष (समा.)		1,250
(+) (i) चेक संग्रह जमा किये गए किंतु संग्रहित नहीं हुए	500	
(ii) बैंक ने बीमा प्रीमियम चुकाया	100	600
		1,850
(–) (i) चेक निर्गमित किंतु भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं हुए	1,500	
(ii) बैंक ब्याज	30	
(iii) ग्राहक द्वारा सीधे जमा	100	1,630
रोकड़ बही के अनुसार शेष (विक.)		220

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित अशुद्धियों के संशोधान के लिये पंजी प्रविष्टियाँ दीजिए—

(i) ₹ 1,000 का मरम्मत व्यय भवन खाते में लिखा गया।

(ii) पुरानी मशीन की बिक्री ₹ 5,000 विक्रय खाता में लिखा गया।

(iii) ₹ 5,000 का फर्नीचर का क्रय, क्रय बही में लिखा गया।

(iv) ₹ 800 मालिक ने निजी व्यय हेतु निकाले जो यात्रा व्यय खाते में विकलित किया गया।

(v) ₹ 2,000 की भवन निर्माण की मजदूरी त्रुटिवश मजदूरी खाते में विकलित कर दी गई।

हल : **संशोधन प्रविष्टियाँ**

तिथि	विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1.	मरम्मत व्यय खाता विक.		1,000	
	भवन खाते से			1,000
	(मरम्मत व्यय की राशि भवन खाते में लिखी गई थी जिसका सुधार किया गया)			
2.	विक्रय खाता विक.		5,000	
	मशीनरी खाते से			5,000
	(मशीन विक्रय को विक्रय खाते में लिखा गया था, सुधार किया)			

3.	फर्नीचर खाता विक.		5,000	
	क्रय खाते से			5,000
	(फर्नीचर क्रय को क्रय खाते में लिखा गया था जिसे सुधारा गया)			
4.	आहरण खाता विक.		800	
	यात्रा खाते से			800
	(आहरण की राशि को यात्रा खाते में लिखा गया था, जिसका सुधार किया गया)			
5.	भवन खाता विक.		2,000	
	मजदूरी खाते से			2,000
	(भवन निर्माण की मजदूरी, मजदूरी खाते में लिखी गई थी सुधार किया।)			

प्रश्न 23. निम्नांकित बाकियों से 31 मार्च, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ-हानि खाता बनाइये :

सकल लाभ ₹ 7,100, वेतन ₹ 1,200, विक्रय पर भाड़ा ₹ 135, छपाई ₹ 65, कार्यालय व्यय ₹ 200, किराया (क्रे.) ₹ 100, बट्टा (डे.) ₹ 50.

हल : **लाभ-हानि खाता**

(31 मार्च, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

विक. **समा.**

विवरण	राशि	विवरण	राशि
वेतन	1,200	सकल लाभ	7,100
विक्रय पर भाड़ा	135	किराया (क्रे.)	100
छपाई	65	शुद्ध लाभ	5,550
कार्यालय व्यय	200	(स्थिति विवरण में	
बट्टा (डे.)	50	स्थानांतरित)	
	7,200		7,200

अथवा

प्रश्न—राज की लेखा पुस्तकों से ली गई निम्न सूचना के आधार पर 31 मार्च, 2006 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये व्यापार खाता बनाइये—

	₹		₹
प्रारम्भिक स्टॉक	6,500	मजदूरी	4,800
क्रय	45,000	ईंधन एवं बिजली	3,200
विक्रय	72,000	कारखाना किराया	8,600
आन्तरिक वापसी	1,500	रोकड़	4,500
बाह्य वापसी	500	कार्यालय व्यय	3,200
क्रय पर भाड़ा	1,200		

31 मार्च, 2006 को अन्तिम स्टॉक ₹ 8,600 था।

हल : **राज का व्यापार खाता**

(31 मार्च, 2006 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

विक. **समा.**

विवरण		राशि	विवरण		राशि
प्रारंभिक रहतिया		6,500	विक्रय	72,000	
क्रय	45,000		(–) वापसी	500	71,500
(–) वापसी	1,500	43,500			
			अंतिम रहतिया (स्कंध)		8,600
क्रय पर भाड़ा		1,200			
मजदूरी		4,800			
ईंधन व बिजली		3,200			
कारखाना किराया		8,600			
सकल लाभ (ला/हा खाते में स्थानांतरित)		12,300			
		80,100			80,100

प्रश्न 24. निम्नांकित सूचना से स्टॉक आवर्त अनुपात की गणना कीजिए—

प्रारम्भिक स्टॉक ₹ 45,000, अंतिम स्टॉक ₹ 55.000. क्रय ₹ 1.60,000।

हल : स्टॉक आवर्त अनुपात = $\frac{\text{बेचे गए माल का लागत मूल्य}}{\text{औसत स्टॉक}}$

औसत स्टॉक = $\frac{\text{प्रारंभिक स्टॉक + अंतिम स्टॉक}}{2}$

$= \frac{45,000 + 55,000}{2}$

= ₹ 50,000

बेचे गए माल का लागत मूल्य = प्रारंभिक स्टॉक + क्रय – अंतिम स्टॉक

= (45,000 + 1,60,000) – 55,000

= ₹ 1,50,000

∴ स्टॉक आवर्त अनुपात = $\frac{1.50,000}{50,000}$

= 3 बार

अथवा

प्रश्न—31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष से सम्बन्धित नीचे दी गई सूचना से गणना करें—

(अ) देनदार आवर्त

(ब) औसत वसूली अवधि—

वार्षिक उधार विक्रय – ₹ 5,00,000
प्रारंभिक देनदार – ₹ 80,000
अंतिम देनदार – ₹ 1,00,000
वर्ष के दिन – 360

हल :

$$\text{औसत देनदार} = \frac{\text{प्रारंभिक देनदार + अंतिम स्टॉक}}{2}$$

$$\text{देनदार आवर्त} = \frac{\text{शुद्ध वार्षिक उधार बिक्री}}{\text{औसत देनदार}}$$

$$\text{औसत देनदार} = \frac{80,000 + 1,00,000}{2} = 90,000$$

$$\text{(अ) देनदार आवर्त अनुपात} = \frac{5,00,000}{90,000} = 5{\cdot}56 \text{ बार}$$

$$\text{(ब) औसत वसूली अवधि} = \frac{\text{कार्य दिवसों की संख्या}}{\text{देनदार आवर्त}}$$

$$= \frac{360}{5{\cdot}56}$$

$$= 64{\cdot}7 \text{ दिन}$$

अर्थात् 65 दिन।

प्रश्न 25. निम्नलिखित विवरण से कारखाना लागत की गणना कीजिए—

	₹
प्रत्यक्ष सामग्री	1,00,000
उत्पादक मजदूरी	20,000
प्रत्यक्ष व्यय	10,000
कारखाना उपरिव्यय	8,000
चालू कार्य :	
प्रारम्भिक स्टॉक	12,000
अंतिम स्टॉक	10,000

हल :

कारखाना लागत विवरण

विवरण	राशि (₹)
प्रत्यक्ष सामग्री	1,00,000
प्रत्यक्ष श्रम (उत्पादक मजदूरी)	20,000
प्रत्यक्ष व्यय	10,000
मूल लागत	1,30,000
(+) कारखाना उपरिव्यय	8,000
सकल कारखाना लागत	1,38,000
(+) चालू कार्य का प्रारम्भिक स्कंध	12,000
	1,50,000
(–) चालू कार्य का अंतिम स्कंध	10,000
कारखाना लागत या कार्य लागत (शुद्ध)	1,40,000

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर उत्पादन लागत की गणना कीजिए—

	₹
प्रत्यक्ष सामग्री	1,00,000
प्रत्यक्ष श्रम	40,000
प्रत्यक्ष व्यय	9,000
कारखाना उपरिव्यय	20,000
कार्यालय व्यय	15,000

हल : **उत्पादन लागत की गणना**

विवरण	राशि (₹)
प्रत्यक्ष सामग्री	1,00,000
प्रत्यक्ष श्रम	40,000
प्रत्यक्ष व्यय	9,000
मूल लागत	1,49,000
कारखाना उपरिव्यय	20,000
कारखाना लागत	1,69,000
कार्यालय व्यय	15,000
कुल उत्पादन लागत	1,84,000

प्रश्न 26. 31 दिसम्बर, 2007 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये एक साहित्य समिति के निम्नलिखित विवरण हैं—

प्राप्त चन्दा ₹ 1,100, विनियोग पर ब्याज ₹ 380, भाषण से आय ₹ 2,320, किराया दिया ₹ 210, फुटकर व्यय ₹ 100, विज्ञापन व्यय ₹ 210, छपाई व्यय ₹ 125। समिति के पास नेशनल लाइब्रेरी के ₹ 1,000 वाले, दस 4% ऋणपत्र हैं।

31 दिसम्बर 2007 को ₹ 80 किराये तथा ₹ 95 छपाई के अदत्त है। आय-व्यय खाता तैयार कीजिए।

हल: **साहित्य समिति का आय-व्यय खाता**

(31 दिसम्बर, 2007 को समाप्त होने वाले वर्ष का)

व्यय		राशि (₹)	आय		राशि (₹)
किराया	210		प्राप्त चंदा		1,100
(+) अदत्त	80	290	विनियोग पर ब्याज	380	
फुटकर व्यय		100	(+) अप्राप्त ब्याज	20	400
विज्ञापन व्यय		210	भाषण से आय		2,320
छपाई व्यय	125				
(+) अदत्त	95	220			
आय का व्यय पर आधिक्य		3,000			
		3,820			3,820

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित सूचना से वर्ष 2010-2011 के लिये सचिन क्रिकेट क्लब का प्राप्ति भुगतान खाता तैयार कीजिए—

रोकड़ शेष (1.4.2010) ₹ 3,500, प्रवेश शुल्क ₹ 600, प्राप्त चन्दा ₹ 1,700, "छले वर्ष का बकाया चन्दा प्राप्त ₹ 120, किराया दिया ₹ 90, क्रिकेट की गेंदों का क्रय ₹ 550, बल्लों का क्रय ₹ 620, विविध व्यय ₹ 15, स्टेशनरी व्यय ₹ 10, वेतन ₹ 1150.

हल: सचिन क्रिकेट क्लब का

प्राप्ति एवं भुगतान खाता

(31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

प्राप्तियाँ		राशि	भुगतान	राशि
1.4.2010 को रोकड़ शेष		3,500	किराया दिया	90
प्रवेश शुल्क		600	क्रिकेट गेंद खरीदा	550
प्राप्त चंदा	1,700		बल्लों का क्रय	620
गत वर्ष का			विविध व्यय	15
प्राप्त चंदा	120	1,820	स्टेशनरी व्यय	10
			वेतन	1,150
			31.3.2011 को रोकड़ शेष	3,450
		5,920		5,920

प्रश्न 27. अ, ब और स साझेदार हैं जो 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ-विभाजित करते हैं। 'स' को गारण्टी दी गई है कि किसी भी दशा में उसका हिस्सा ₹ 10,000 से कम नहीं होगा तथा उसके हिसाब की कमी को 'ब' पूरा करेगा।

दो वर्षों का लाभ इस प्रकार है—

31 दिसम्बर, 2009 को ₹ 40,000 तथा 31 दिसम्बर, 2010 को ₹ 60,000. लाभ-हानि विवरण खाता दो वर्षों के लिये बनाइये।

हल : **लाभ-हानि वितरण खाता**

(31 दिसम्बर, 2009 के लिए)

विक. **समा.**

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
'अ' के पूंजी खाते से	16,000	शेष नी/ला	40,000
'ब' के पूंजी खाते से (16,000-2,000)	14,000		
'स' के पूंजी खाते से (8,000 + 2,000)	10,000		
	40,000		40,000

लाभ-हानि वितरण खाता

(31 दिसम्बर, 2010 के लिए)

विक. समा.

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
'अ' के पूंजी खाते से	24,000	शेष नी/ला	60,000
'ब' के पूंजी खाते से	24,000		
'स' के पूंजी खाते से	12,000		
	60,000		60,000

अथवा

प्रश्न—X, Y और Z साझेदार हैं जो क्रमशः 2 : 1 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं। उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 20,000, ₹ 12,000, और ₹ 8,000 है। साझेदारों की पूँजी पर 6% वार्षिक ब्याज दिया जाता है और आहरण पर 5% वार्षिक ब्याज लगाया जाता है। X को ₹ 250 मासिक वेतन पाने का अधिकार है। Z बिक्री पर 1% वेतन पाता है। 2008 वर्ष में ₹ 15,000 का लाभ हुआ तथा बिक्री ₹ 2,00,000 की हुई। उनके आहरण क्रमशः ₹ 5,000, ₹ 3,000 और ₹ 6,500 के हुए, जिन पर ब्याज क्रमशः ₹ 100, ₹ 50 और ₹ 250 का था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये।

हल : लाभ-हानि नियोजन खाता

विक. समा.

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
पूंजी पर ब्याज (6%)		लाभ-हानि खाता (लाभ)	15,000
X : 1,200		आहरण पर ब्याज (5%)	
Y : 720		X : 100	
Z : 480	2,400	Y : 50	
X को वेतन	250	Z : 250	400
Z को कमीशन	2,000		
लाभ-हानि खाता (लाभ साझेदारों के पूंजी खाते में स्थानान्तरित)			
X : 5,375.00			
Y : 2,687.00			
Z : 2,687.00	10,750		
	15,400		15,400

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—मई-जून, 2012

कक्षा-12वीं

विषय- लेखांकन

सेट-2

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(i) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तनिष्ठ प्रश्न के दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' बहुविकल्पीय तथा खण्ड 'ब' रिक्त स्थान की पूर्ति है। प्रत्येक प्रश्न-पर 1 अंक है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 2 से 9 तक के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिये। प्रत्येक प्रश्न में 2 अंक निर्धारित हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 10 से 15 तक के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न में 3 अंक निर्धारित हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक के उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न में 4 अंक निर्धारित हैं तथा आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 22 से 25 तक के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित हैं तथा आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(vi) प्रश्न क्रमांक 26 एवं 27 के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 6 अंक निर्धारित हैं तथा आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

(vii) आंकिक प्रश्नों हेतु उचित गणनाएँ दीजिये। इन प्रश्नों हेतु शब्द सीमा लागू नहीं होगी।

प्रश्न 1. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

खण्ड-(अ)

1. सही विकल्प चुनकर लिखिये :

(i) मुद्रा मापन की अवधारणा के आधार पर निम्नलिखित में से किसका लेखा होगा ?

(अ) कारखाना भवन की सुन्दरता

(ब) खरीदे गये प्लांट का मूल्य

(स) व्यवसाय के स्वामी का स्वास्थ्य

(द) उपरोक्त सभी।

उत्तर—(ब) खरीदे गये प्लांट का मूल्य।

(ii) लाभ-हानि खाते से ज्ञात होता है—

(अ) सकल लाभ/हानि (ब) शुद्ध लाभ/हानि

(स) कुल पूंजी (द) कुल सम्पत्ति

उत्तर—(ब) शुद्ध लाभ/हानि।

(iii) मृतक साझेदार के पूंजी खाते का शेष पाने का अधिकार होता है—

(अ) शेष साझेदारों को (ब) नये साझेदारों को

(स) वैधानिक प्रतिनिधि को (द) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—(स) वैधानिक प्रतिनिधि को।

(iv) सामग्री जो किसी विशेष उत्पादन से सम्बन्धित न की जा सके कहलाती है—

(अ) प्रत्यक्ष सामग्री (ब) अप्रत्यक्ष सामग्री

(स) प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सामग्री (द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर—(ब) अप्रत्यक्ष सामग्री।

(v) तरल सम्पत्ति में कौन-सा शामिल नहीं है ?

(अ) रहतिया (ब) देनदार

(स) बैंक में रोकड़ (द) हस्तस्थ रोकड़

उत्तर—(अ) रहतिया।

खण्ड-(ब)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) तरल अनुपात ..... के नाम से भी जाना जाता है।

उत्तर—त्वरित अनुपात।

(ii) ..... पद्धति इस मान्यता पर आधारित है कि जो सामग्री पहले क्रय की गई हो उसे उपकार्य को पहले निर्गमित करेंगे।

उत्तर—पहले आना पहले जाना।

(iii) निर्गमित पूंजी का वह भाग जिसकी प्राप्ति के बिना अंशपूंजी का आबंटन नहीं किया जा सकता है, उसे ..... कहते हैं।

उत्तर—न्यूनतम अभिदान।

(iv) ..... सम्पत्ति एवं दायित्वों का विवरण होता है।

उत्तर—स्थिति विवरण।

(v) पुनर्मूल्यांकन खाते का क्रेडिट शेष ..... प्रदर्शित करता है।

उत्तर—हानि।

प्रश्न 2. क्रय खाते को कब-कब क्रेडिट किया जाता है ?

उत्तर—निम्नलिखित दशाओं में क्रय खाते को क्रेडिट या जमा किया जाता है—

(1) माल दान करने पर

(2) माल को नमूने के तौर पर बांटने पर

(3) माल का आहरण करने पर

(4) माल की क्षति होने पर।

प्रश्न 3. राहुल ब्रादर्स को ₹ 10,000 सूची मूल्य का माल 5% व्यापारिक बट्टे पर बेचा तथा उनसे पूर्ण भुगतान में ₹ 9,450 नकद प्राप्त किये। जर्नल प्रविष्टि दीजिए।

हल : **जर्नल प्रविष्टियाँ**

रोकड़ खाता	विक.	9,450	
बट्टा खाता	विक.	50	
विक्रय खाते से			9,500
(नकद माल बेचा तथा छूट दी)			

प्रश्न 4. क्षतिपूरक अशुद्धियों को समझाइये।

उत्तर—ऐसी दो गलतियाँ जो एक-दूसरे के प्रभाव को समाप्त कर देती हैं उसे क्षतिपूरक अशुद्धियाँ कहते हैं। जैसे एक खाते को गलती से डेबिट तथा दूसरे खाते को उतनी ही राशि से गलती से क्रेडिट कर देना। इन गलतियों से तलपट के योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

प्रश्न 5. समर्पित निधि से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर—संस्था के किसी सदस्य या अन्य किसी व्यक्ति द्वारा अपने चल या अचल सम्पत्तियां धनराशि संस्था को समर्पित कर दी जाती हैं तो इसे समर्पित या स्थिर दान कोष कहते हैं। चूंकि यह अनावर्ती प्रकृति का होता है इसलिए इसे प्राप्ति भुगतान खाते तथा चिट्ठे के दायित्व पक्ष में लिखा जाता है। इस निधि से प्राप्त होने वाली आय जैसे—ब्याज आदि का लेखा आय-व्यय खाते में किया जाता है।

प्रश्न 6. साझेदारी की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर—साझेदारी की विशेषताएँ—

1. दो या अधिक व्यक्ति का होना—साझेदारी के लिए कम से कम दो तथा अधिकतम 20 व्यक्तियों का होना आवश्यक है। बैंकिंग व्यवसाय की दशा में 10 से अधिक सदस्य नहीं हो सकते हैं।

2. असीमित दायित्व—साझेदारों का दायित्व असीमित होता है। हानि या ऋण की दशा में क्षतिपूर्ति के लिए उनके व्यापारिक हिस्सों के अतिरिक्त उनकी व्यक्तिगत सम्पत्ति का भी प्रयोग किया जा सकता है।

प्रश्न 7. वसूली खाते से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर—वसूली खाता एक नाममात्र का खाता है। साझेदारी फर्म के विघटन की दशा में फर्म की सम्पत्तियों तथा दायित्वों के खातों को बंद करने के लिए तथा सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त राशि और दायित्वों के भुगतान का लेखा करने के उद्देश्य से तैयार किया गया खाता ही वसूली खाता कहलाता है।

प्रश्न 8. तरलता अनुपात क्या संकेत करते हैं ?

उत्तर—चालू दायित्वों के शोधन की क्षमता को तरलता कहते हैं अर्थात् तरलता अनुपात किसी फर्म की अल्पकालीन दायित्वों को भुगतान करने की क्षमता को आंकते हैं।

प्रश्न 9. मूल लागत से क्या आशय है ?

उत्तर—वस्तु के उत्पादन या निर्माण के लिए किये जाने वाला प्रत्यक्ष व्यय ही उस वस्तु की मूल लागत कहलाती है।

मूल लागत ज्ञात करने का सूत्र—

मूल लागत = प्रत्यक्ष सामग्री + प्रत्यक्ष मजदूरी + प्रत्यक्ष व्यय

प्रश्न 10. दोहरा लेखा प्रणाली के किन्हीं तीन लाभों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—दोहरा लेखा प्रणाली के लाभ—

1. वैज्ञानिक एवं पूर्ण प्रणाली—इस प्रणाली में प्रत्येक सौदों का लेखा दो खातों में विपरीत पक्षों में किया जाता है। अत: यह प्रणाली पूर्णत: वैज्ञानिक है।

2. लाभ-हानि की जानकारी—फर्म को व्यवसाय से होने वाली लाभ-हानि की जानकारी इस प्रणाली से आसानी से एवं सही-सही उपलब्ध हो जाती है।

3. सही आर्थिक स्थिति का ज्ञान—वर्ष के अंत में व्यापारी अंतिम खाते का निर्माण कर व्यापार की सही आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

प्रश्न 11. तलपट की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—तलपट की विशेषताएँ—

1. तलपट लेखा नहीं है, यह एक विवरण या सूची मात्र है।
2. तलपट किसी निश्चित तिथि पर बनाया जाता है।
3. तलपट निर्माण का मुख्य उद्देश्य खातों की गणितीय शुद्धता की जांच करना होता है।

प्रश्न 12. पूंजीगत एवं आगमगत व्ययों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—पूंजीगत एवं आगमगत व्ययों में अंतर—

क्र. सं.	आधार	पूंजीगत व्यय	आगमगत व्यय
1.	क्रय का स्वभाव	स्थाई सम्पत्तियों के क्रय हेतु किया गया व्यय पूंजीगत व्यय कहलाता है।	व्यापारिक माल के क्रय हेतु किया गया व्यय आगमगत व्यय कहलाता है।
2.	उत्पादन शक्ति में वृद्धि	ये व्यय व्यावसायिक उपक्रम की लाभार्जन शक्ति को बढ़ाती है।	ये व्यय व्यवसाय की लाभार्जन शक्ति को बनाये रखती है।
3.	लाभ प्राप्ति की अवधि	पूंजीगत व्ययों का लाभ कई वर्षों तक होता रहता है।	आगमगत व्यय का लाभ अल्प-कालीन होता है।
4.	विकास व संचालन	ये व्यापार की स्थापना वृद्धि एवं विकास हेतु किये जाते हैं।	ये व्यापार के सामान्य संचालन हेतु किये जाते हैं।

प्रश्न 13. प्रशांत लिमिटेड ने ₹ 100 वाले 4,000, 6% ऋणपत्र, 5% प्रीमियम पर निर्गमित किये। संपूर्ण राशि आवेदन के साथ देय थी। आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : प्रशांत लिमिटेड की पुस्तकों में

पंजी प्रविष्टियां

तिथि	विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1	बैंक खाता विक. 6% ऋणपत्र आवेदन खाते से (आवेदन पर सम्पूर्ण राशि प्रीमियम सहित प्राप्त)		4,20,000	 4,20,000
2	6% ऋणपत्र आवेदन खाता विक. 6% ऋणपत्र खाते से प्रीमियम खाते से (आवेदन पत्र की राशि का ऋणपत्र एवं प्रीमियम खाते में अंतरण)		4,20,000	 4,00,000 20,000

प्रश्न 14. नीचे दिये गए आंकड़ों से सकल लाभ अनुपात की गणना कीजिए—

विक्रय – ₹ 3,25,000

विक्रय वापसी – ₹ 25,000

बिके हुए माल की लागत – ₹ 2,40,000

हल : सकल लाभ अनुपात की गणना—

$$\text{सकल लाभ अनुपात} = \frac{\text{सकल लाभ}}{\text{शुद्ध लाभ}} \times 100$$

सकल लाभ = शुद्ध बिक्री–विक्रय माल की लागत

= ₹ 3,00,000 – ₹ 2,40,000

= ₹ 60,000

$$\text{सकल लाभ अनुपात} = \frac{60,000}{3,00,000} \times 100 = 20\%$$

प्रश्न 15. लागत लेखांकन के कोई तीन उद्देश्य बताइये।

उत्तर—लागत लेखांकन के उद्देश्य—

1. लागत निर्धारण—लागत लेखांकन के प्राथमिक उद्देश्य प्रत्येक उत्पाद, प्रत्येक इकाई कार्य प्रक्रिया विभाग या सेवा की लागत का निर्धारण करना है। इसमें लागत के सभी व्ययों का संग्रहण, वर्गीकरण तथा विश्लेषण किया जाता है।

2. लागतों पर नियंत्रण—लागत नियंत्रण, लागत लेखांकन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है, इसके लिए विभिन्न तकनीकों जैसे प्रमाप लागत, बजटरी नियंत्रण, स्टॉक नियंत्रण, किस्म नियंत्रण आदि का प्रयोग किया जाता है।

3. वित्तीय विवरण बनाने में सहायक—लागत लेखांकन से कच्ची सामग्री, अर्द्धनिर्मित माल एवं तैयार माल के स्कन्ध सम्बन्धी सूचना तत्काल प्राप्त हो जाती है जो वित्तीय विवरण बनाने में सहायक होते हैं।

प्रश्न 16. एक कम्पनी ने मि. रमेश से ₹ 2,20,000 में एक भवन खरीदा तथा इस एबज में ₹ 100 वाले अंश 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 21 देखें।

अथवा

प्रश्न—A लिमिटेड ने ₹ 100 वाले 2,000, 5% ऋणपत्र, 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये जिन पर ₹ 20 आवेदन पर तथा शेष प्रीमियम सहित आबंटन पर देय थे। A लिमिटेड की पुस्तकों की जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 21 (अथवा) देखें।

प्रश्न 17. X और Y साझेदार हैं। लाभ-हानि का विभाजन 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। 31 दिसम्बर, 2008 को वे मीना को 1/4 भाग के लिये साझेदारी में प्रवेश देते हैं। इस तिथि को फर्म का स्थिति विवरण ₹ 30,000 सामान्य संचय तथा ₹ 9,000 लाभ-हानि का डेबिट शेष दिखाता है। आवश्यक पंजी प्रविष्टियां करें।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 20 देखें।

अथवा

प्रश्न—एक फर्म की कार्यशील पूंजी ₹ 40,000 है। इस प्रकार के व्यवसाय में 10% सामान्य लाभ होने का अनुमान है। फर्म का 5 वर्षों का औसत लाभ ₹ 8,000 है। संलेख के अनुसार ख्याति का मूल्य "छले 5 वर्षों के अधिलाभ का तीन गुना है। ख्याति की राशि ज्ञात कीजिए।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 20 (अथवा) देखें।

प्रश्न 18. A और B एक फर्म में साझेदार हैं। 31 दिसम्बर, 2009 को निम्नलिखित सूचनाएँ उपलब्ध करायी गईं :

	A	**B**
पूंजी (1.1.2009 को)	40,000	30,000
आहरण	3,000	2,000
पूंजी पर ब्याज	2,000	1,500
आहरण पर ब्याज	360	180
लाभ का भाग	5,000	4,000

प्रत्येक साझेदार के लिए पूंजी खाते तैयार कीजिए जबकि पूंजी स्थायी हो।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 19 देखें।

अथवा

प्रश्न—A और B क्रमशः ₹ 80,000 एवं ₹ 1,00,000 पूंजी के साथ साझेदार हैं। वे निम्न शर्तों के साथ सहमत हुए—

(क) लाभ का एक समान विभाजन होगा।

(ख) पूंजी पर 9% वार्षिक की दर से ब्याज दिया जायेगा।

(ग) आहरण पर 6% वार्षिक की दर से ब्याज लगाया जायेगा।

(घ) B को ₹ 600 प्रतिमाह वेतन दिया जायेगा।

(ङ) वर्ष के दौरान A ने ₹ 8,000 एवं B ने ₹ 6,000 निकाले।

दिसम्बर 31, 2009 को समाप्त होने वाले वर्ष में लाभ ₹ 56,000 हुआ। लाभ-हानि विनियोजन खाता तैयार कीजिए।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 19 (अथवा) देखें।

प्रश्न 19. राहुल क्लब का 31 मार्च, 2006 को प्राप्ति एवं भुगतान खाता निम्न प्रकार था :

प्राप्ति भुगतान खाता

प्राप्ति	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
शेष ला/ग	8,400	वेतन	12,000
चन्दा	7,800	किराया	6,000
प्रवेश शुल्क	600	वैन का क्रय	28,000
सरकारी सहायता	30,000	वैन का खर्च	6,400
भवन कोष के लिए दान	25,000	धुलाई खर्च	5,200
प्राप्त ब्याज	2,400	दवाइयाँ एवं सम्बन्धित व्यय	9,600
		प्रचार व्यय	4,000
		शेष ले/ग	3,000
	74,200		74,200

अतिरिक्त सूचनाएँ :

(क) अदत्त ब्याज ₹ 1,500 था

(ख) ब्याज देय लेकिन प्राप्ति नहीं हुआ ₹ 600

(ग) अदत्त वेतन ₹ 1,200 है।

(घ) मोटर वैन पर 20% की दर से अवक्षयण लगाया गया।

आय-व्यय खाता तैयार कीजिए।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 18 देखें।

अथवा

प्रश्न—जंगलों के संरक्षण के लिए कार्य कर रही गैर-व्यापारिक संगठन 'आल ग्रीन एवर ग्रीन' के सम्बन्ध में 31 दिसम्बर, 2006 को सूचना नीचे दी गयी है—

	राशि ₹		राशि ₹
हस्तस्थ रोकड़	1,400	बैंक में स्थायी जमा	1,00,000
बैंक में रोकड़	21,800	वर्ष 2007 के लिए प्राप्त चंदा	3,800
पुस्तकें	78,000	अदत्त किराया	4,000
फर्नीचर	16,000	प्रचार कोष	35,000
कम्प्यूटर	24,000	भवन कोष	80,000
अदत्त चन्दा	2,600		

इस तिथि को स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 18 (अथवा) देखें।

अथवा

प्रश्न 20. राहुल के खाते में ₹ 12,600 का जमा शेष था। जुलाई, 2009 में निम्न लेन-देन हुए—

वर्ष 2009		₹
जुलाई 5	उन्हें भुगतान किया	8,600
जुलाई 6	उनसे माल उधार खरीदा	6,000
जुलाई 8	उन्हें नगद चुकाये	3,000

राहुल का खाता तैयार कीजिए तथा शेष निकालिये।

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 17 देखें।

अथवा

प्रश्न—निम्न लेन-देनों को साधारण रोकड़ बही में लिखिये :

वर्ष 2009		₹
अप्रैल 1	रोकड़ से व्यापार प्रारम्भ किया	30,000
अप्रैल 2	रोकड़ से माल का क्रय	10,000
अप्रैल 3	फर्नीचर का क्रय	1,000
अप्रैल 6	रोकड़ से माल का विक्रय	7,000
अप्रैल 9	भाड़े का भुगतान किया	200

हल : छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 17 (अथवा) देखें।

प्रश्न 21. दोहरा लेखा प्रणाली के मूल सिद्धान्तों को समझाइये।

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 16 देखें।

अथवा

प्रश्न—पूर्ण प्रकटीकरण सिद्धान्त व ऐतिहासिक लागत के सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं ? समझाइये।

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 16 (अथवा) देखें।

प्रश्न 22. निम्न विवरण से कारखाना लागत की गणना कीजिए :

	राशि (₹)		राशि (₹)
प्रत्यक्ष सामग्री	1,00,000	कारखाना उपरिव्यय	8,000
उत्पादक मजदूरी	20,000	चालू कार्य का प्रारम्भिक स्टॉक	12,000
प्रत्यक्ष व्यय	10,000	अन्तिम स्टॉक	10,000

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 25 देखें।

अथवा

निम्न सूचनाओं के आधार पर उत्पादन लागत की गणना कीजिए।

	राशि (₹)		राशि (₹)
प्रत्यक्ष सामग्री	1,00,000	कारखाना उपरिव्यय	20,000
प्रत्यक्ष श्रम	40,000	कार्यालय व्यय	15,000
प्रत्यक्ष व्यय	9,000		

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 25 (अथवा) देखें।

प्रश्न 23. निम्न सूचना से स्टॉक आवर्त अनुपात की गणना कीजिए :

	₹
प्रारम्भिक स्टॉक	45,000
अन्तिम स्टॉक	55,000
क्रय	1,60,000

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 24 देखें।

अथवा

प्रश्न—31 मार्च, 2009 को समाप्त वर्ष से सम्बन्धित नीचे दी गई सूचना से गणना करें :

(अ) देनदार आवर्त (ब) औसत वसूली अवधि

वार्षिक उधार विक्रय ₹ 5,00,000, वर्ष के दिन 360

प्रारम्भिक देनदार ₹ 80,000, अन्तिम देनदार ₹ 1,00,000

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 24 (अथवा) देखें।

प्रश्न 24. निम्नांकित बाकियों से 31 मार्च, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ-हानि खाता बनाइये—

	राशि (₹)		राशि (₹)
सकल लाभ	7,100	वेतन	1,200
विक्रय पर भाड़ा	135	छपाई	65
कार्यालय व्यय	200	किराया (क्रे.)	100
बट्टा (डे.)	50		

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 23 देखें।

अथवा

प्रश्न—राज की लेखा पुस्तकों से ली गई निम्न सूचना के आधार पर 31 मार्च, 2006 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार खाता बनाइये।

	राशि (₹)		राशि (₹)
प्रारम्भिक स्टॉक	6,500	मजदूरी	4,800
क्रय	45,000	ईंधन एवं बिजली	3,200
विक्रय	72,000	कारखाना किराया	8,600
आन्तरिक वापसी	1,500	रोकड़	4,500
बाह्य वापसी	500	कार्यालय व्यय	3,200
क्रय पर भाड़ा	1,200		

31 मार्च, 2006 को अन्तिम स्टॉक ₹ 8,600 था।

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 23 (अथवा) देखें।

प्रश्न 25. निम्नलिखित सूचना के आधार पर 31 दिसम्बर, 2009 को एक बैंक समाधान विवरण पत्र बनाइये।

(क) ग्राहक के पक्ष में पासबुक का शेष ₹ 1,250

(ख) चेक जारी किये किन्तु भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं ₹ 1,500

(ग) चेक, बैंक में जमा किये परन्तु संगृहीत नहीं हुए ₹ 500

(घ) बैंक ने ब्याज जमा किया, जिसका लेखा रोकड़ बही में नहीं है। ₹ 30

(ङ) एक ग्राहक ने सीधे बैंक में जमा कराये ₹ 100

(च) बैंक ने बीमा प्रीमियम चुकाई ₹ 100

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र 22 देखें।

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित अशुद्धियों के संशोधन के लिए पंजी प्रविष्टियां दीजिए :

(क) ₹ 100 का मरम्मत व्यय भवन खाते में लिखा गया।

(ख) पुरानी मशीन की बिक्री ₹ 5,000 विक्रय खाते में लिखा गया।

(ग) ₹ 5,000 फर्नीचर का क्रय, क्रय बही में लिखा गया।

(घ) ₹ 800 मालिक ने निजी व्यय हेतु निकाले जो यात्रा व्यय खाते में विकलित कर दिया।

(ङ) ₹ 2,000 की भवन निर्माण की मजदूरी त्रुटिवश मजदूरी खाते में विकलित कर दी गयी।

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 22 (अथवा) देखें।

प्रश्न 26. अ, ब और स साझेदार हैं जो 2 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। स को गारण्टी दी गई है कि किसी भी दशा में उसका हिस्सा ₹ 10,000 से कम नहीं होगा तथा उसके हिसाब की कमी को ब पूरा करेगा। दो वर्ष का लाभ इस प्रकार है :

31 दिसम्बर, 2009 को ₹ 40,000 तथा 31 दिसम्बर, 2010 को ₹ 60,000। लाभ-हानि वितरण खाता, दो वर्षों के लिए बनाइये।

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 27 देखें।

अथवा

प्रश्न—X, Y और Z साझेदार हैं जो क्रमश: 2 : 1 : 1 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। उनकी पूंजी क्रमश: ₹ 20,000 ₹ 12,000 और ₹ 8,000 है। साझेदारों की पूंजी पर 6% वार्षिक ब्याज दिया जाता है और आहरण पर 5% वार्षिक ब्याज लगाया जाता है। X को ₹ 250 मासिक वेतन पाने का अधिकार है। Z बिक्री पर 1% वेतन पाता है। 2008 वर्ष में ₹ 15,000 का लाभ हुआ तथा बिक्री ₹ 2,00,000 की हुई। उनके आहरण क्रमश: ₹ 5,000 ₹ 3,000 और ₹ 6,500 के हुए जिन पर ब्याज क्रमश: ₹ 100, ₹ 50 और ₹ 250 का था।

लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये।

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 27 (अथवा) देखें।

प्रश्न 27. 31 दिसम्बर, 2007 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए एक साहित्य समिति के निम्नलिखित विवरण हैं :

प्राप्त चन्दा ₹ 1,100, विनियोग पर ब्याज ₹ 380, भाषण से आय ₹ 2,320, किराया दिया ₹ 210, फुटकर व्यय ₹ 100, विज्ञापन व्यय ₹ 210, छपाई व्यय ₹ 125। समिति के पास नेशनल लाइब्रेरी के ₹ 100 वाले दस 4% ऋणपत्र हैं।

31 दिसम्बर, 2007 को ₹ 80 किराये तथा ₹ 95 छपाई के अदत्त हैं। आय-व्यय खाता तैयार कीजिए।

हल: छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 26 देखें।

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित सूचना से वर्ष 2010-1011 के लिए सचिन क्रिकेट क्लब का प्राप्ति भुगतान खाता तैयार कीजिए।

रोकड़ शेष (1-4-2010) ₹ 3,500, प्रवेश शुल्क ₹ 600, प्राप्त चन्दा ₹ 1,700, "छले वर्ष का बकाया चन्दा प्राप्त ₹ 120, किराया दिया ₹ 90, क्रिकेट की गेंदों का क्रय ₹ 550, बल्लों का क्रय ₹ 620, विविध व्यय ₹ 15, स्टेशनरी व्यय ₹ 10, वेतन ₹ 1,150.

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—दिसम्बर, 2011

कक्षा-12वीं

विषय-लेखांकन

सेट-3

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक-100**

निर्देश— (1) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
(2) प्रश्न क्रमांक 1 से 22 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक आबंटित है।
(3) प्रश्न क्रमांक 23 से 31 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं एवं प्रत्येक प्रश्न पर आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
(4) प्रश्न क्रमांक 32 से 38 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक प्रश्न पर आंतरिक विकल्प दिए गए हैं, एवं प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं।

नोट—नीचे दिए गए प्रश्न क्रमांक 1 से 4 तक में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों द्वारा कीजिए—

1. बिना बिके माल का मूल्यांकन लागत मूल्य अथवा.....मूल्य जो भी.....हो पर किया जाता है।
उत्तर—बाजार, कम।
2. सम्पत्तियाँ = ...+ दायित्व।
उत्तर—पूँजी।
3. यदि ₹ 100 प्रति अंश को 10% बट्टे पर निर्गमित किया जाता है, तब पूँजी खाता.....राशि से जमा किया जाएगा।
उत्तर—₹ 100 से।
4. वह पदार्थ जिससे उत्पाद तैयार किया जाता है,.....कहलाता है।
उत्तर—कच्चा माल।

नोट—नीचे दिए गए प्रश्न क्रमांक 5 से 8 तक में सही विकल्प चुनकर लिखिए—

5. रोकड़-बही के बैंक स्तम्भ के जमा शेष को क्या कहते हैं—
(क) प्रति प्रविष्टि (ख) हस्तांतरण (ग) अधिविकर्ष (घ) बेचान।
उत्तर—(ग) अधिविकर्ष।
6. साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदारों द्वारा फर्म को दिए गए ऋण पर ब्याज दिया जाता है—
(क) 6% वार्षिक दर से (ख) 8% वार्षिक दर से
(ग) 10% वार्षिक दर से (घ) 5% वार्षिक दर से।
उत्तर—(क) 6% वार्षिक दर से।
7. अंशों का निर्गमन किया जा सकता है—

(क) अंकित मूल्य पर (ख) बट्टा पर
(ग) प्रब्याजि पर (घ) उक्त सभी पर।

उत्तर—(घ) उक्त सभी पर।

8. अंशों के बट्टे पर निर्गमन करते समय बट्टे की अधिकतम दर होती है—
(क) 5% (ख) 10%
(ग) 15% (घ) 12%.

उत्तर—(ख) 10%.

नोट—नीचे दिए गए प्रश्न क्रमांक 9 से 12 तक में दिए गए कथन में सत्य एवं असत्य लिखिए।

9. अलाभकारी संगठन का प्रमुख उद्देश्य लाभ कमाना है।

उत्तर—असत्य।

10. प्राप्ति एवं भुगतान खाता रोकड़-बही का सारांश मात्र है।

उत्तर—सत्य।

11. फर्म के समापन के समय रोकड़ व बैंक सहित सभी खातों का हस्तांतरण वसूली खाते में किया जाता है।

उत्तर—सत्य।

12. लिफो (LIFO) पद्धति में पहले प्राप्त सामग्री सबसे अंत में निर्गमित की जाती है।

उत्तर—असत्य।

नोट—नीचे दिए गए प्रश्न क्रमांक 13 से 16 तक में सही जोड़ियाँ बनाइए—

	(अ)	**(ब)**
13.	भारतीय साझेदारी अधिनियम	(क) शोधन क्षमता अनुपात
14.	भारतीय कम्पनी अधिनियम	(ख) रोकड़ प्रवाह विश्लेषण
15.	कार्यशील पूँजी में हुए परिवर्तन का अध्ययन	(ग) 1956
16.	बाह्य दायित्वों के भुगतान स्थिति का अध्ययन	(घ) 1932.

उत्तर—13. (घ) 1932, 14. (ग) 1956, 15. (ख) रोकड़ प्रवाह विश्लेषण, 16. (क) शोधन क्षमता अनुपात।

नोट—नीचे दिए गए प्रश्न क्रमांक 17 से 22 तक का उत्तर एक शब्द से लेकर एक वाक्य तक में दीजिए—

प्रश्न 17. व्यावसायिक लेन-देनों का व्यवस्थित रूप में लेखा-जोखा क्या कहलाता है ?

उत्तर—लेखांकन।

प्रश्न 18. विक्रेता द्वारा अपने ग्राहक को माल के ₹ 20,000 सूची मूल्य पर 8% छूट दी जाती है। छूट की राशि की गणना करते हुए इस छूट का नाम बताइए।

उत्तर—

रोकड़ खाता	विक.	18,400	
विक्रय खाता से			18,400

(व्यापारिक छूट पर माल बेचा)

इस छूट को व्यापारिक छूट कहते हैं।

प्रश्न 19. ₹ 10,000 की मशीन पर 10% ह्रास अपलेखन हेतु रोजनामचा (पंजी)

प्रविष्टि कीजिए।

उत्तर—

ह्रास खाता	विक.	1,000	
मशीन खाते से			1,000

(मशीन पर 10% ह्रास आयोजन किया)

प्रश्न 20. फर्म के विघटन पर सम्पत्तियों के स्थानान्तरण पर आप क्या जर्नल प्रविष्टि करेंगे ?

उत्तर—

वसूली खाता	विक.	
सम्पत्ति खाते से		

(विभिन्न सम्पत्तियाँ वसूली खाते में स्थानांतरित की गईं)

प्रश्न 21. एक फर्म का औसत अधिलाभ, ₹ 5,000 है। ख्याति की गणना अधिलाभ के तीन वर्ष के क्रय के आधार पर कीजिए।

उत्तर— 5000 × 3 = ₹ 15,000 ख्याति।

प्रश्न 22. फर्म की लोकप्रियता एवं प्रसिद्धि के कारण उसकी लाभार्जन क्षमता में वृद्धि को क्या कहते हैं ?

उत्तर—ख्याति।

प्रश्न 23. लेखांकन का अर्थ लिखिए। लेखांकन के किन्हीं चार उद्देश्यों का नाम लिखिए।

उत्तर—लेखांकन का अर्थ—व्यावसायिक परिणामों को जानने के उद्देश्य से लेखों को संग्रहित करने, वर्गीकृत करने तथा सारांश तैयार करने के कार्य को लेखांकन कहते हैं।

लेखांकन के उद्देश्य—

1. व्यावसायिक परिणामों को जानना।
2. व्यवसाय की आर्थिक स्थिति ज्ञान करना।
3. छलकपट से बचाव हेतु।
4. भावी योजनाओं हेतु आँकड़े उपलब्ध करना आदि।

अथवा

प्रश्न—मुद्रा मापन की अवधारणा का अर्थ एवं महत्व लिखिए।

उत्तर—मुद्रा मापन की अवधारणा का अर्थ है कि समस्त व्यावसायिक लेन-देन मुद्रा में होनी चाहिए ताकि लेखा पुस्तकों में उनका लेखा किया जा सके और मौद्रिक व्यवहारों का लेखा पुस्तकों में नहीं किया जा सकता है।

मुद्रा का महत्व—

1. यह अवधारणा लेखापाल को यह बताती है कि किन मदों का लेखा किया जाए तथा किनका नहीं।

2. यह व्यावसायिक लेन-देनों के अभिलेखन में एकरूपता लाने में सहायक होता है।

3. यदि समस्त व्यावसायिक लेन-देनों को मुद्रा में मापा एवं दर्शाया जाता है तो व्यावसायिक इकाइयों ने जो खाते बनाए हैं उन्हें समझना आसान होता है।

4. इससे दो विभिन्न अवधियों एवं फर्मों का तुलनात्मक अध्ययन करना सरल हो जाता है।

प्रश्न 24. निम्नलिखित सूचना के आधार पर 31 दिसम्बर, 2009 को एक बैंक

समाधान विवरण पत्र बनाइए—

(1) ग्राहक के पक्ष में पास बुक का शेष ₹ 1,250

(2) चेक जारी किए, परन्तु भुगतान हेतु उपस्थित नहीं हुए, ₹ 1,500

(3) चेक बैंक में जमा किए, परन्तु संग्रहित नहीं हुए ₹ 500

(4) बैंक में ब्याज जमा किया जिसका लेखा रोकड़ बहीं में नहीं है ₹ 30

(5) एक ग्राहक ने बैंक में सीधे जमा किये ₹ 100

(6) बैंक ने बीमा प्रीमियम चुकाए ₹ 100।

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 22 देखें।

अथवा

प्रश्न—निम्न तलपट से जिसमें त्रुटियाँ हैं, सही तलपट बनाइए—

खातों के नाम	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
पूँजी		2,250	—
बिक्री		—	5,000
वेतन तथा किराया		—	500
संयंत्र		1,250	—
लेनदार		—	750
देनदार		—	1,500
अंतिम रहतिया		—	1,000
बिके हुए माल की लागत		3,750	—
प्रारिम्भक रहतिया		1,500	—
योग		8,750	8,750

हल : संशोधित तलपट

विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
पूँजी		—	2,250
विक्रय		—	5,000
वेतन व किराया		500	—
संयंत्र		1,250	—
लेनदार		—	750
देनदार		1,500	—
अंतिम रहतिया		1,000	—
बिके हुए माल की लागत		3,750	—
योग		8,000	8,000

टीप—बिके हुए माल की लागत ज्ञात होने के कारण प्रारिम्भक रहतिया को तलपट में नहीं लिखेंगे।

प्रश्न 25. पूँजीगत प्राप्तियों एवं आगम प्राप्तियों में किन्हीं चार बिन्दुओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 12 देखें।

अथवा

प्रश्न—पूँजीगत व्यय एवं आगमगत व्ययों में किन्हीं चार बिन्दुओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—छात्र सेट-2 वर्ष 2012 (मई-जून) का प्र. क्र. 12 देखें।

प्रश्न 26. निम्नलिखित जानकारी से फ्रेन्ड्स क्लब भोपाल का प्राप्ति-भुगतान खाता 31 दिसम्बर, 2009 को समाप्त वर्ष के लिए तैयार कीजिए—

रोकड़ शेष 1.1.2009 को ₹ 8,000, चालू वर्ष का चन्दा प्राप्त ₹ 35,000, आगामी वर्ष का चन्दा प्राप्त ₹ 1,000, आजीवन सदस्यता शुल्क प्राप्त ₹ 6,000, विनियोग किया ₹ 25,000, फर्नीचर खरीदा ₹ 3,000, खेल सामग्री खरीदी ₹ 3,000, सामान्य व्यय के दिए ₹ 5,500, अदत्त व्यय ₹ 300, फर्नीचर पर ह्रास लगाये 10%.

उत्तर—फ्रेण्ड्स क्लब का

प्राप्ति-भुगतान खाता

(31 दिसम्बर, 2009 को समाप्त वर्ष के लिए)

प्राप्ति	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
रोकड़ शेष (1.1.2009)	8,000	विनियोग	25,000
चंदा 2009 : 35,000		फर्नीचर	3,000
2010 : 1,000	36,000	क्रीड़ा सामग्री	3,000
		सामान्य व्यय	5,500
आजीवन सदस्यता शुल्क	6,000	शेष नी/ले	13,500
	50,000		50,000
शेष नी/ला	13,500		

अथवा

प्रश्न—31 दिसम्बर, 2009 को समाप्त होने वाले वर्ष के एक साहित्य समिति के निम्नलिखित विवरण से आय-व्यय खाता बताइए—

प्राप्त चंदा ₹ 1,100, विनियोग पर ब्याज ₹ 380, भाषण से आय ₹ 2,320, किराया दिया ₹ 210, फुटकर व्यय ₹ 100, विज्ञापन व्यय ₹ 210, छपाई व्यय ₹ 125, 31 दिसम्बर को ₹ 80 किराये तथा ₹ 95 छपाई व्यय अदत्त हैं।

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 26 देखें।

प्रश्न 27. साझेदारी संलेख से क्या आशय है ? साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले किन्हीं 4 नियमों को लिखिए।

उत्तर—साझेदारी संलेख का अर्थ—साझेदारी संलेख से आशय उस लिखित पत्र से है जिसमें किसी फर्म के साझेदारों के मध्य हुए समझौते का विवरण तथा उस पर समस्त साझेदारों के हस्ताक्षर होते हैं।

साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले नियम—

1. लाभ विभाजन—साझेदारी संलेख के अभाव में लाभ-हानि का विभाजन समस्त साझेदारों के मध्य समान अनुपात में किया जाता है।

2. पूँजी पर ब्याज—संलेख के अभाव में साझेदारों द्वारा व्यापार में लगाई गई पूँजी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाता है।

3. आहरण पर ब्याज—संलेख के बिना आहरण पर कोई ब्याज नहीं लिया जा सकता है।

4. साझेदारों द्वारा ऋण पर ब्याज—संलेख के अभाव में साझेदारों द्वारा फर्म को दिए गए ऋण पर 6% वार्षिक की दर से ब्याज दिया जाएगा।

अथवा

प्रश्न—साझेदारी किसे कहते हैं ? साझेदारी की किन्हीं चार विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर—''साझेदारी उन व्यक्तियों का पारस्परिक सम्बन्ध है जो किसी ऐसे व्यापार के लाभ को परस्पर बांटने के लिए सहमत हैं जो कि सबके द्वारा या सबकी ओर से किसी एक व्यक्ति के द्वारा संचालित किया जाता हो।

साझेदारी की विशेषताएँ—

1. दो या अधिक व्यक्ति का होना—साझेदारी के लिए कम से कम दो तथा अधिकतम 20 तथा बैंकिंग व्यवसाय की दशा में अधिकतम 10 सदस्य होना चाहिए।

2. वैध अनुबंध का होना—साझेदारी का निर्माण वैध अनुबंध द्वारा होता है। वैध अनुबंध के आधार पर ही व्यावसायिक क्रियाएँ एवं गतिविधियाँ निर्धारित होती हैं।

3. व्यवसाय द्वारा लाभार्जन—साझेदारी की स्थापना किसी व्यवसाय के संचालन द्वारा लाभ कमाने के लिए किया जाता है। व्यवसाय का वैध होना आवश्यक है।

4. हित हस्तांतरण—साझेदारी का कोई भी सदस्य अन्य सदस्यों की सहमति के बिना अपने हितों का हस्तांतरण किसी अन्य व्यक्ति को नहीं कर सकता है।

प्रश्न 28. एक फर्म में निखिल और कमलेश साझेदार हैं, जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ-हानि का विभाजन करते हैं। वे ललित को $\frac{1}{5}$ भाग के लिए साझेदार बनाते हैं। नया अनुपात ज्ञात कीजिए।

उत्तर—माना फर्म का कुल लाभ = ₹ 1 है।

शेष लाभ = फर्म का लाभ – नये साझेदार का भाग

$$= 1 - \frac{1}{5}$$

$$= \frac{4}{5}$$

नया अनुपात = शेष लाभ × पुराना अनुपात

$$\text{निखिल का नया अनुपात} = \frac{4}{5} \times \frac{3}{5} = \frac{12}{15}$$

$$\text{कमलेश का नया अनुपात} = \frac{4}{5} \times \frac{2}{5} = \frac{8}{25}$$

$$\text{ललित का भाग} = \frac{1}{5} \times \frac{25}{25} = \frac{5}{25}$$

अर्थात् नया अनुपात = 12 : 8 : 5 होगा।

अथवा

प्रश्न—'अ' एवं 'ब' एक फर्म में 3 : 2 के साझेदार हैं। 'स' को 1/6 भाग देकर साझेदार बनाते हैं। यदि 'स' ₹ 20,000 पूँजी देता है तो शेष साझेदारों की पूँजी ज्ञात कीजिए।

हल : 'स' के 1/6 भाग की पूँजी = ₹ 20,000

$$\text{फर्म की कुल पूँजी} = 20,000 \times \frac{6}{1} = ₹\ 1,20,000$$

शेष साझेदारी की पूँजी = 1,20,000 – 20,000 = ₹ 1,00,000

$$\text{'अ' की पूँजी} = 1,00,000 \times \frac{3}{5} = ₹\ 60,000$$

$$\text{'ब' की पूँजी} = 1,00,000 \times \frac{2}{3} = ₹\ 40,000$$

'अ' तथा 'ब' की पूँजी क्रमश: ₹ 60,000 व ₹ 40,000 होगी।

प्रश्न 29. A लिमिटेड ने ₹ 100 वाले 2,000, 5% ऋणपत्र, 10% प्रीमियम पर निर्गमित किए, जिन पर ₹ 20 आवेदन पर तथा शेष प्रीमियम सहित आबंटन पर देय थे। A लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 21 (अथवा) देखें।

अथवा

प्रश्न—X लिमिटेड ने ₹ 10 वाले 10,000 अंश ₹ 1 प्रति अंश बट्टे पर जनता में निर्गमित किये तथा राशि इस प्रकार माँगी गई—आवेदन पर ₹ 2 प्रति अंश, आबंटन पर ₹ 3 प्रति अंश तथा शेष याचना पर। सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गईं। X लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

उत्तर—X लिमिटेड की पुस्तकों में

पंजी प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण		खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1.	बैंक खाता	विक.		20,000	
	अंश आवेदन खाते से				20,000
	(आवेदन राशि प्राप्त हुई)				
2.	अंश आवेदन खाता	विक.		20,000	
	अंश पूँजी खाते से				20,000
	(आवेदन राशि का अंश पूँजी खाते में अंतरण किया)				
3.	अंश आबंटन खाता	विक.		30,000	
	अंश पर बट्टा खाता	विक.		10,000	
	अंश पूँजी खाते से				40,000
	(आबंटन राशि प्राप्त होने पर)				
4.	बैंक खाता	विक.		30,000	
	अंश आबंटन खाते से				30,000

	(आंबटन पर राशि प्राप्त होने पर)				
5.	अंश प्रथम याचना खाता	विक.		40,000	
	अंश पूँजी खाते से				40,000
	(याचना पर राशि प्राप्य होने पर)				
6.	बैंक खाता	विक.		40,000	
	अंश प्रथम याचना खाते से				40,000
	(याचना राशि प्राप्त होने पर)				

प्रश्न 30. निम्नलिखित सूचना से स्टॉक आवर्त की गणना कीजिए—

प्रारम्भिक स्टॉक ₹ 45,000, अंतिम स्टॉक ₹ 55,000, क्रय ₹ 1,60,000.

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 24 देखें।

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित सूचना से तरलता अनुपातों की गणना कीजिए—

कुल चालू सम्पत्तियाँ-₹ 90,000, स्टॉक-₹ 30,000,

पूर्वदत्त व्यय-₹ 3,000, चालू देयताएँ-₹ 60,000.

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 14 देखें।

प्रश्न 31. स्थाई एवं परिवर्तनशील लागतों को समझाइये।

उत्तर—स्थाई लागत—यह वह लागत है जो कि उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन से अप्रभावित रहती है। किन्तु प्रति इकाई स्थाई लागत उत्पादन के बढ़ने पर घटती है और उत्पादन के घटने पर प्रति इकाई बढ़ती है। इसका सम्बन्ध अवधि के व्यतीत होने से होता है। उत्पादन की मात्रा या दर बढ़ने से या घटने से नहीं। उदाहरणार्थ—कारखाना भवन का किराया, कर्मचारियों का वेतन, मशीनरी ह्रास आदि।

परिवर्तनशील लागत—परिवर्तनशील लागत वह लागत होती है जो कि उत्पादन की मात्रा के साथ-साथ प्रत्यक्ष रूप से उसी अनुपात में परिवर्तित होता है, किन्तु प्रति इकाई परिवर्तनशील लाते सदैव सामान रहती है अर्थात् उत्पादन के घटने-बढ़ने पर प्रति इकाई परिवर्तनशील लागत में कोई परिवर्तन नहीं होता है। उदाहरणार्थ—प्रत्यक्ष सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम, शक्ति ईंधन आदि।

अथवा

प्रश्न—मितव्ययी आदेश मात्रा को समझाइए एवं इसका सूत्र लिखिए।

उत्तर—मितव्ययी आदेश मात्रा—मितव्ययी आदेश मात्रा क्रय आदेश का वह आकार है जो सामग्री को क्रय करने में अधिकतम मितव्ययी रहता है, इसे मानक आदेश मात्रा भी कहते हैं। यह निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखकर निश्चित की जाती है—

(i) आदेश लागत (ii) रखने की लागत

मितव्ययी आदेश मात्रा का सूत्र—

$$\text{F.O.Q.(\%)} = \sqrt{2 \times R \times C_o / C_e}$$

यहाँ R = वार्षिक उपयोग

C_o = आदेश देने की प्रति आदेश लागत

C_e = प्रति इकाई वहन लागत (वहन लागत प्रतिशत × प्रति इकाई मूल्य)

नोट—प्रश्न क्रमांक 32 से 38 तक के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150–200 शब्दों में दीजिए।

प्रश्न 32. निम्नलिखित लेन-देनों को अविनाश की पंजी (रोजनामचा) में प्रविष्टि कीजिए—

2010		₹
जनवरी 1	रोकड़ से व्यापार प्रारम्भ	1,50,000
जनवरी 5	नगद माल खरीदा	50,000
जनवरी 10	नगद माल बेचा	40,000
जनवरी 15	वेतन भुगतान किया	10,000
जनवरी 20	निजी उपयोग के लिए रोकड़ निकाले	5,000
जनवरी 30	सुरेश से उधार माल खरीदा	20,000

उत्तर— अविनाश की पुस्तकों में

पंजी प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण		खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
2010					
जन.1	रोकड़ खाता	विक.		1,50,000	
	पूँजी खाते से				1,50,000
	(रोकड़ से व्यापार प्रारम्भ किया)				
जन.5	क्रय खाता	विक.		50,000	
	रोकड़ खाते से				50,000
	(नकद क्रय किया)				
जन.10	रोकड़ खाता	विक.		40,000	
	विक्रय खाते से				40,000
	(नकद विक्रय किया)				
जन.15	वेतन खाता	विक.		10,000	
	रोकड़ खाते से				10,000
	(वेदन दिया)				
जन.20	आहरण खाता	विक.		5,000	
	रोकड़ खाते से				5,000
	(नकद राशि का आहरण किया)				
जन.30	क्रय खाता	विक.		20,000	
	सुरेश से				20,000
	(उधार माल खरीदा)				

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित व्यवहारों को द्वि-स्तम्भीय रोकड़ बही (रोकड़ एवं बैंक स्तंभ) में लिखिए—

2010		₹
मार्च 1	रोकड़ हाथ में	5,000
	बैंक अधिविकर्ष	2,000
मार्च 3	माल क्रय किया	4,000
मार्च 4	नगद माल बेचा	3,000
मार्च 9	सुरेश से रोकड़ मिली	6,000
मार्च 10	राम से रोकड़ मिली	2,000
मार्च 17	बैंक में जमा किये	4,000
मार्च 20	श्याम को चेक से भुगतान किए	700

हल : द्वि-स्तम्भीय रोकड़ बही (रोकड़ एवं बैंक स्तम्भ)

तिथि	विवरण	खा. पृ.	रोकड़	बैंक	तिथि	विवरण	खा. पृ.	रोकड़	बैंक
2010					2010				
मार्च 1	हस्तस्थ रोकड़		5,000		मार्च 1	बैंक अधिविकर्ष			2,000
मार्च 4	विक्रय खाते से		3,000		मार्च 3	क्रय खाते को		4,000	
मार्च 9	सुरेश से		6,000		मार्च 17	बैंक खाते को (C)		4,000	
मार्च 10	राम से		2,000		मार्च 20	श्याम को			700
मार्च 17	रोकड़ खाते से (C)			4,000	मार्च 31	शेष नी/ले		8,000	1,300
			16,000	4,000				16,000	4,000
अप्रै.1	शेष नी/ले		8,000	1,300					

प्रश्न 33. निम्न तलपट के आधार पर 31 दिसम्बर, 2009 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार एवं लाभ हानि-खाता बनाइए—

विवरण	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
पूँजी	—	35,000
क्रय एवं विक्रय	28,000	39,000
हस्तस्थ रोकड़	2,000	—
बैंक में रोकड़	6,000	—
मजदूरी	5,000	—
वेतन	1,500	—
बीमा	300	—
भूमि व भवन	20,000	—
संयंत्र एवं मशीनरी	10,000	—
क्रय वापसी एवं विक्रय वापसी	1,000	500
प्राप्य बिल एवं देय बिल	3,000	7,000
ऋणी एवं ऋणदाता	10,700	13,500
बट्टा	200	600
आवक गाड़ी भाड़ा	450	—

रेल भाड़ा	550	—
प्रारिम्भक रहतिया	4,000	—
विज्ञापन	900	—
मशीनरी पर मूल्य ह्रास	1,000	—
आहरण	1,000	—
	95,600	95,600

अंतिम रहतिया का मूल्य ₹ 6,500 आंका गया।

हल : .....**का व्यापार एवं लाभ-हानि खाता**

(31 दिसम्बर, 2009 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

विवरण		राशि	विवरण		राशि
प्रारिम्भक		4,000	विक्रय	39,000	
क्रय	28,000		(–) वापसी	1,000	38,000
(–) वापसी	500	27,500			
			अंतिम रहतिया		6,500
आवक गाड़ी भाड़ा		450			
रेल भाड़ा		550			
मजदूरी		5,000			
सकल लाभ		7,000			
(ला/हा खाते में स्थानांतरित)					
		44,500			44,500
वेतन		1,500	सकल लाभ		7,000
बीमा		300	(व्यापार खाते से)		
बट्टा		200	बट्टा प्राप्त		600
विज्ञापन		900			
मशीनरी पर मूल्य ह्रास		1,000			
शुद्ध लाभ (पूँजी खाते में स्थानांतरित)		3,700			
		7,600			7,600

अथवा

प्रश्न—उपरोक्त प्रश्न के आधार पर तरलता क्रम में स्थिति विवरण (चिट्ठा) बनाइये।

हल : **चिट्ठा (स्थिति विवरण)**

(31 दिसम्बर, 1998 को)

देयताएँ		राशि (₹)	सम्पत्तियाँ	राशि (₹)	
देय बिल		7,000	रोकड़	2,000	
विविध ऋणदाता		13,500	बैंक में जमा	6,000	
पूँजी	: 35,000		प्राप्य बिल	3,000	
(+) शुद्ध लाभ	: 3,700		विविध ऋणी	10,700	
	38,700				
(–) आहरण	1,000	37,700		रहतिया	6,500
			संयंत्र एवं मशीनरी	10,000	
			भूमि व भवन	20,000	
		58,200		58,200	

प्रश्न 34. रोकड़ बड़ी के शेष और पास बुक के शेष में अंतर के कोई छः कारणों को समझाइये।

उत्तर—रोकड़ बही और पास बुक के शेषों में अन्तर के कारणों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है—

1. ऐसे व्यवहार जिन्हें रोकड़ बही में लिखा गया है किन्तु पास बुक में नहीं लिखा गया है—

(अ) निर्गमित चेक जो भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं हुए हैं—जब फर्म के द्वारा चेकों का निर्गमन किया जाता है तो इनकी रोकड़ बही के बैंक स्तंभ में तुरन्त ही जमा पक्ष की ओर कर दी जाती है। कभी-कभी चेक प्राप्त करने वाला उस चेक को कुछ समय बाद भुगतान हेतु प्रस्तुत करता है। अतः चेक के निर्गमित होने और उनके भुगतान होने के मध्य कुछ समयावधि होती है। यही कारण है कि रोकड़ बही तथा पास बुक के शेषों में अन्तर होता है।

(ब) चेक या विपत्र का अनादरित होना—जब व्यापारी प्राप्त चेक या विपत्र का लेखा अपने रोकड़ बही में कर चेक बैंक में भेजता है और वह चेक या विपत्र अनादरित हो जाता है तो ऐसी दशा में रोकड़ बही तथा पास-बुक के शेष में अन्तर आ जाता है।

(स) चेक या विपत्र जो रोकड़ पुस्तक में डेबिट किया गया हो किन्तु बैंक भेजना भूल गया हो—जब व्यापारी द्वारा भुगतान के रूप में चेक या अन्य विपत्र प्राप्त कर रोकड़ बही में प्रविष्ट कर लिया जाता है किन्तु संग्रहण हेतु बैंक भेजने से रह जाता है तो इससे रोकड़ बही एवं पास बुक शेष में अंतर आ जाता है।

2. ऐसी प्रविष्टियाँ जिनका लेखा पास बुक में कर दिया किन्तु रोकड़ बही में नहीं हुआ हो

(अ) बैंक द्वारा डेबिट किया गया व्यय—बैंक ग्राहकों को अनेक प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध कराती हैं जिसके बदले में वे कमीशन, ब्याज या बैंक व्यय लेता है। इनका लेखा बैंक द्वारा पास बुक में तो कर दिया जाता है किन्तु रोकड़ बही में नहीं। अतः रोकड़ बही एवं पास बुक शेष में अन्तर आता है।

(ब) बैंक द्वारा दिया गया ब्याज आदि—बैंक द्वारा व्यापारी या ग्राहक को खाते पर जमा राशि पर देता है जिसे सीधे उसके खाते में क्रेडिट कर दिया जाता है। जानकारी न होने के कारण इसकी प्रविष्टि रोकड़ बही में नहीं हो पाती है जिससे दोनों पुस्तकों के शेष में अन्तर बना रहता है।

(स) ग्राहक द्वारा बैंक में सीधे जमा—ग्राहक बैंक में व्यापारी के खाते में जब सीधे रुपये जमा कर देता है जिसकी सूचना व्यापारी को बाद में प्राप्त होती है, अतः सूचना प्राप्त होने तक पास बुक एवं रोकड़ बही शेष में अंतर बना रहता है।

अथवा

प्रश्न—मैनुअल लेखांकन एवं कम्प्यूटरीकृत लेखांकन पद्धति के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—मैनुअल लेखांकन एवं कम्प्यूटरीकृत लेखांकन में अन्तर—

आधार	मैनुअल लेखांकन	कम्प्यूटरीकृत लेखांकन
अभिलेखन	वित्तीय लेन-देनों का अभिलेखन प्रारिम्भक पुस्तकों के द्वारा होता है।	व्यवहारों से सम्बन्धित आंकड़ों का भण्डारण सुगठित डाटा बेस में किया जाता है।
वर्गीकरण	लेन-देनों को प्रारिम्भक पुस्तकों में अभिलेखित करने के बाद पुनः बहियों में वर्गीकृत किया जाता है। इससे लेन-देन डाटा की प्रतिलि" तैयार हो जाती है।	इसमें डाटा की प्रतिलिपि तैयार नहीं की जा सकती है। बहियाँ तैयार करने के लिए भण्डारित लेन-देनों के डाटा का प्रक्रियण किया जाता है। अतः एक समान डाटा को रिपोर्ट के रूप

	मिलान के सिद्धांत का पालन करते हुए	में प्रदर्शित किया जाता है।
संक्षिप्तिकरण	समायोजन प्रविष्टियाँ की जाती हैं।	तलपट के लिए खातों को तैयार करने की शर्त आवश्यक नहीं है।
	मिलान के सिद्धांत का पालन करते हुए	
समायोजन	समायोजन प्रविष्टियाँ की जाती हैं।	त्रुटियों एवं उनके सुधार के लिए किसी प्रकार की समायोजन प्रविष्टियाँ नहीं की जाती हैं।
	वित्तीय विवरण तैयार करना तलपट की उपलब्धता पर निर्भर करती है।	वित्तीय विवरण तलपट पर आधारित

प्रश्न 35. अलाभकारी संगठन से क्या आशय है ? इसकी विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—अलाभकारी संगठन का अर्थ—ऐसे संगठन एवं संस्थान जिसका निर्माण सेवा करने के उद्देश्य से किया जाता है तथा जिसका उद्देश्य व्यवसाय न करना, लाभ नहीं कमाना होता है अलाभकारी संगठन कहलाता है। जैसे—विद्यालय, अस्पताल, कल्याणकारी समितियाँ, क्लब, सार्वजनिक वाचनालय आदि।

विशेषताएँ—

1. इस प्रकार के संगठनों का उद्देश्य लाभ कमाना न होकर अपने सदस्यों एवं समाज को सेवा प्रदान करना है।

2. इन संगठनों की आय का प्रमुख स्त्रोत वस्तुओं एवं सेवाओं के क्रय-विक्रय से लाभ कमाना नहीं है बल्कि प्रवेश शुल्क व चंदा तथा दान एवं सहायता अनुदान आदि हैं।

3. इन संगठनों का प्रबंधन कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा किया जाता है जिनको सदस्य अपने लोगों में से ही चुनते हैं। इस समूह को प्रबंध समिति कहते हैं।

4. यह अपने खाते बनाते समय भी उन्हीं लेखा पद्धतियों एवं सिद्धांतों को अपनाते हैं जिन्हें लाभ कमाने वाले संगठन जो लाभ कमाने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं।

अथवा

प्रश्न—आय-व्यय खाता किसे कहते हैं ? आय-व्यय खाता बनाने की आवश्यकताएँ लिखिए।

उत्तर—आय-व्यय खाते का अर्थ—आय-व्यय खाता वास्तव में लाभ-हानि खाता है, परन्तु गैर व्यापारिक संस्थाएँ लाभ या हानि प्रदर्शित नहीं कर सकतीं, अत: उनके खाते को आय एवं व्यय खाता कहा जाता है।

आय-व्यय खाते की आवश्यकता या उद्देश्य—

1. लेखांकन अवधि के आय तथा व्यय का शेष ज्ञात करना।

2. आय का व्यय पर तथा व्यय का आय पर आधिक्य ज्ञात करना।

3. लेखांकन अवधि में संस्था की वास्तविक शुद्ध बचत या घाटा ज्ञात करना।

4. विभिन्न समायोजनाओं का लेखा करना ताकि वास्तविक आय और वास्तविक व्यय ज्ञात हो सके।

5. आय एवं व्यय में उचित संतुलन कायम रखना।

6. देय आयकर की राशि की गणना करना।

7. चिट्ठा बनाकर संस्था की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को सही मूल्य पर दर्शाना।

8. यह सुनिश्चित करना कि संस्था आगमगत आय उसके आयगत व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त है आदि।

प्रश्न 36. A एवं B एक फर्म में साझेदार हैं। 31 दिसम्बर, 2009 को निम्न सूचनाएँ उपलब्ध कराई गईं—

	'A'	'B'
पूँजी (1.1.2009)	40,000	30,000
आहरण	3,000	2,000
पूँजी पर ब्याज	2,000	1,500
आहरण पर ब्याज	360	180
लाभ का भाग	5,000	4,000

प्रत्येक साझेदार के लिए पूँजी खाता तैयार करें—

(अ) यदि पूँजी स्थाई हो। (ब) पूँजी परिवर्तनशील हो।

हल : (अ) स्थाई पूँजी की दशा में

साझेदारों का पूँजी खाता

विक. **समा.**

तिथि	विवरण	खा. पृ.	(A)	(B)	तिथि	विवरण	खा. पृ.	(A)	(B)
	शेष नी/ले		40,000	30,000		शेष नी/ले		40,000	30,000
			40,000	30,000				40,000	30,000
						शेष नी/ला		40,000	30,000

(ब) परिवर्तनशील पूँजी की दशा में

साझेदारों का पूँजी खाता

तिथि	विवरण	खा. पृ.	(A)	(B)	तिथि	विवरण	खा. पृ.	(A)	(B)
	आहरण		3,000	2,000		शेष नी/ले (1.1.09)		40,000	30,000
	आहरण पर ब्याज		360	180		पूँजी पर ब्याज		2,000	1,5000
	शेष नी/ले		43,640	33,320		ला-हा नियोजन खाता		5,000	4,000
			47,000	35,500				47,000	35,500
						शेष नी/ले		43,640	33,320

अथवा

प्रश्न—नितेश एवं निशांत एक फर्म में साझेदार हैं, जो लाभ बराबर बाँटते हैं। उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 10,000 और ₹ 8,000 है। निशांत प्रतिमाह ₹ 500 वेतन पाने का

अधिकारी है। पूँजी पर ब्याज 5% वार्षिक है। आहरण पर ब्याज 6% वार्षिक है।

नितेश के आहरण — 1 अप्रैल ₹ 200, 1 जून ₹ 300,
1 नवम्बर ₹ 100

निशांत के आहरण — 1 मार्च ₹ 100, 1 जून ₹ 200,
1 सितम्बर ₹ 300

उस वर्ष फर्म का लाभ वेतन देने के पश्चात् ₹ 6,000 है। उपर्युक्त विवरण से लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये एवं आहरण पर ब्याज की गणना दर्शाइए।

हल : **लाभ-हानि नियोजन खाता**

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
पूंजी पर ब्याज—		लाभ	6,000
नितेश : 500		आहरण पर ब्याज	
निशांत : 400	900	निवेश : 20.50	
पूंजी खाता—		निशांत : 18.00	38.50
नितेश : 2568.25			
निशांत : 2569.25	5,138.50		
	6,038.50		6,038.50

आहरण पर ब्याज की गणना—

नितेश के आहरण पर ब्याज—

₹ 200 × 9 माह = ₹ 1,800
₹ 300 × 7 माह = ₹ 2,100
₹ 100 × 2 माह = ₹ 200
कुल = ₹ 4,100

$$\text{आहरण पर ब्याज} = \frac{4100 \times 6}{12 \times 100} = ₹\ 20.50$$

निशांत के आहरण पर ब्याज—

₹ 100 × 10 माह = ₹ 1,000
₹ 200 × 7 माह = ₹ 1,400
₹ 300 × 4 माह = ₹ 1,200
कुल = ₹ 3,600

$$\text{आहरण पर ब्याज} = \frac{3600 \times 6}{12 \times 100} = ₹\ 18$$

प्रश्न 37. रोकड़ प्रवाह के किन्हीं 6 उद्देश्यों को समझाइये।

उत्तर—रोकड़ प्रवाह के उद्देश्य—

1. यह संस्था के रोकड़ के मूल्यांकन में सहायक होता है। इससे बजट के माध्यम से रोकड़ की आवश्यकता का अनुमान लगाया जा सकता है।

2. रोकड़ के उपयोग को योजना के अनुसार नियंत्रित किया जा सकता है।

3. यह विश्लेषण वित्तीय नीतियों के मूल्यांकन में भी सहायक होता है।

4. संस्था की दायित्व शोधन क्षमता का ज्ञान भी रोकड़ प्रवाह विश्लेषण से संभव हो जाता है।

5. सुदृढ़ रोकड़ प्रवाह विश्लेषण से प्रबंधकीय योग्यता का भी पता चलता है।

6. प्रबंधकों को व्यवसाय सम्बन्धी अल्पकालीन निर्णय लेने में रोकड़ प्रवाह विश्लेषण की उपयोगिता अधिक है।

अथवा

प्रश्न—लेखांकन अनुपातों की किन्हीं 6 सीमाओं को समझाइये।

उत्तर—लेखांकन अनुपातों की सीमाएँ—

1. कोई एक अवधारणा नहीं—किसी भी अनुपात की गणना के लिए एक फर्म अलग-अलग प्रायोजनों के लिए अलग-अलग अवधारणा अपनाती है। कुछ फर्में लाभ को ब्याज तथा कर से पहले लाभ अथवा कर से पहले परन्तु ब्याज के पश्चात् के लाभ अथवा ब्याज तथा कर के पश्चात् लाभ को लेती है। इसके परिणाम भी भिन्न निकलते हैं।

2. गुणात्मक पक्ष की अवहेलना—अनुपात विश्लेषण मात्रात्मक प्रकृति का होता है। यह गुणात्मक पक्ष की पूरी तरह अवहेलना करता है।

3. मूल्य स्तर में परिवर्तनों की अवहेलना—मूल्य स्तर परिवर्तन किसी समय के अंकों की तुलना को कठिन बना देते हैं। इससे पहले कि कोई तुलना की जाए मूल्य स्तर परिवर्तन के लिए उपयुक्त समायोजन किये जाने चाहिए।

4. पूर्वानुमान लगाने में कठिनाई—अनुपातों के पूर्व निष्कर्षों के आधार पर गणना की जाती है क्योंकि यह वर्तमान तथा भविष्य की स्थिति को नहीं दर्शाते। इसी कारण यह वांछित नहीं है कि उन्हें भविष्य की घटनाओं के पूर्वानुमान के लिए प्रयोग किया जाए।

5. गलत लेखांकन आंकड़ों पर आधारित होने पर भ्रामक परिणाम—अनुपात लेखांकन गलत आंकड़ों पर आधारित होते हैं। वे केवल तभी लाभदायक हो सकते हैं जबकि वह विश्वस्त आंकड़ों पर आधारित हो।

6. तुलना के लिए किसी एक मानक अनुपात का न होना—कोई भी एक मानक अनुपात ऐसा नहीं है जिसे सर्वत्र स्वीकार किया गया हो तथा जिससे कोई तुलना की जा सके। मानक एक उद्योग से दूसरे उद्योग में भिन्न हो सकते हैं।

प्रश्न 38. रोहित इंडस्ट्रीज से सामग्री संख्या CW 45 के सम्बन्ध में निम्न सूचनाएँ प्राप्त हुईं—

सामान्य उपयोग	—	800 इकाइयाँ प्रति सप्ताह
अधिकतम उपयोग	—	1200 इकाइयाँ प्रति सप्ताह
न्यूनतम उपयोग	—	400 इकाइयाँ प्रति सप्ताह
पुन: आदेश अवधि	—	4 से 6 सप्ताह
पुन: आदेश मात्रा	—	2000 इकाई।

गणना करें—

(अ) पुनः आदेश स्तर (ब) अधिकतम स्तर (स) न्यूनतम स्तर (द) औसत स्टॉक स्तर।

हल :

(अ) पुनः आदेश स्तर = अधिकतम पुनः अदेश अवधि × अधिकतम उपयोग

= 6 × 1200

= 7,200 इकाइयाँ

(ब) अधिकतम स्तर = पुनः अदेश स्तर + आदेश मात्रा –(न्यूनतम उपयोग × पुनः आदेश अवधि)

= 7,200 + 2,000 – (400 × 4)

= 9,200 – 1,600

= 7,600 इकाइयाँ

(स) न्यूनतम स्तर = पुनः आदेश स्तर – (सामान्य उपयोग × पुनः आदेश अवधि)

= 7,200 – (800 × 5)

= 7,200 – 4,000

= 3,200 इकाइयाँ

(द) औसत स्टॉक स्तर = 1/2 (अधिकतम स्टॉक स्तर + न्यूनतम स्टॉक स्तर)

= 1/2 (7,600 इकाइयाँ + 3,200 इकाइयाँ)

= 1/2 × 10,800 इकाइयाँ

= 5,400 इकाइयाँ

अथवा

प्रश्न—एक उत्पाद के निर्माण में वर्ष में निम्नलिखित व्यय किए गए—

	राशि (₹)		राशि (₹)
कच्चा माल	56,000	कारखाना किराया	4,000
ईंधन	14,000	कर तथा बीमा (कारखाना)	800
विद्युत शक्ति	2,800	मशीन पर ह्रास	4,800
प्रक्रिया एवं सामान्य		विज्ञापन	1,000
मजदूरी	1,26,000	विक्रय प्रतिनिधि	
मरम्मत	4,800	का वेतन	1,600
ढुलाई व्यय	4,000	विक्रय पर भाड़ा	400
प्रकाश तथा पानी	800	कार्यालय वेतन	14,000
प्रशासनिक व्यय कार्यालय	10,000	निर्मित इकाइयाँ	40,000

वर्ष के लिए लागत विवरण (लागत पत्र) तैयार कीजिए।

हल : लागत विवरण (लागत पत्र)

(उत्पादन : 40,000 इकाई)

विवरण	कुल लागत (₹)	प्रति इकाई लागत (₹)
उपयोग सामग्री—कच्ची सामग्री	56,000	
(+) ढुलाई व्यय	4,000	
उपयोग्य कच्ची सामग्री की लागत	60,000	1.50
प्रत्यक्ष मजदूरी—		
प्रक्रिया एवं सामान्य मजदूरी	1,26,000	3.15
	1,86,000	4.65
मूल लागत		
(+) कारखाना उपरिव्यय—		
ईंधन	14,000	0.35
कर तथा बीमा	800	0.02
विद्युत शक्ति	2,800	0.07
मशीन पर ह्रास	4,800	0.12
मरम्मत	4,800	0.12
कारखाना किराया	4,000	0.10
प्रकाश तथा पानी	800	0.02
कारखाना लागत	2,18,000	5.45
(+) कार्यालय एवं प्रशासन उपरिव्यय—		
कार्यालय वेतन	14,000	0.35
प्रशासनिक व्यय	10,000	0.25
उत्पादन लागत	4,42,000	6.05
(+) विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय—		
विज्ञापन	1,000	0.03
विक्रय प्रतिनिधि का वेतन	1,600	0.04
विक्रय पर भाड़ा	400	0.01
कुल लागत/विक्रय की लागत	2,45,000	6.13

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—मई-जून, 2011

कक्षा-12वीं

विषय- लेखांकन

सेट-4

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश— सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(i) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न के दो खंड हैं। खण्ड-अ सही विकल्प लिखिये तथा खंड-ब रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये। प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 2 से 9 तक के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिये। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 10 से 15 तक के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक पश्न पर 3 अंक हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक के उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक हैं तथा आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 22 से 25 तक के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

(vi) प्रश्न क्रमांक 26 एवं 27 के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

(vii) आंकिक प्रश्नों हेतु उचित गणनाएँ दीजिये। इन प्रश्नों हेतु शब्द सीमा लागू नहीं होगी।

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए—

(खण्ड-अ)

(I) सही विकल्प चुनकर लिखिये—

(i) व्यवसाय के स्वामी द्वारा निजी प्रयोग के लिये व्यवसाय से रकम या वस्तु निकालना कहलाता है—

(क) पूँजी (ख) क्रय (ग) आहरण (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर—(ग) आहरण।

(ii) प्रत्यक्ष व्ययों का लेखा किया जाता है—

(क) व्यापार खाते में (ख) लाभ-हानि खाते में

(ग) चिट्ठे में (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर—(क) व्यापार खाते में।

(iii) वास्तविक लाभ – अनुमानित लाभ = ... ।

(क) औसत लाभ (ख) शुद्ध लाभ (ग) अधिलाभ (घ) सकल लाभ।

उत्तर—(ग) अधिलाभ।

(iv) कुल लागत में लाभ जोड़ने पर प्राप्त होता है—

(क) विक्रय मूल्य (ख) हानि (ग) शुद्ध लाभ (घ) सकल लाभ।
उत्तर—(क) विक्रय मूल्य।

(v) रोकड़ प्रवाह विवरण को कितनी तरह से तैयार किया जाता है?
(क) एक (ख) दो (ग) चार (घ) किसी भी तरह से।
उत्तर—(ख) दो।

(खण्ड-ब)

(II) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये—

(i) S.E.B.I. के दिशानिर्देश रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की केवल.....विधि की ही संस्तुति करते हैं।
उत्तर—प्रत्यक्ष।

(ii) लागत लेखांकन का मुख्य उद्देश्य वस्तु या उत्पाद की.....का निर्धारण करना है।
उत्तर—लागत।

(iii) सार्वजनिक कंपनी में सदस्यों की न्यूनतम संख्या.....होती है।
उत्तर—7 (सात)

(iv) संपत्ति या दायित्वों में कमी या वृद्धि का लेखा करने के लिये.....खाता बनाया जाता है।
उत्तर—पुनर्मूल्यांकन।

(v) ऐसे व्यय, जो वर्तमान लेखा वर्ष से संबंधित हैं लेकिन उनका भुगतान अभी तक नहीं हुआ है,.....कहलाते हैं।
उत्तर—अदत्त व्यय।

प्रश्न 2. लेखांकन की किन्हीं दो आधारभूत मान्यताओं के नाम लिखिए।
उत्तर—लेखांकन की आधारभूत मान्यताएँ—
(i) लेखांकन अस्तित्व की मान्यता
(ii) मुद्रा मापन की मान्यता
(iii) लेखांकन अवधि की मान्यता

प्रश्न 3. 31 मार्च, 2011 को ₹ 5,000 ब्याज के दिये। जर्नल प्रविष्टि कीजिए।
हल—जर्नल प्रविष्टि—

2011				
मार्च-31		ब्याज खाता	विक.	5,000
		रोकड़ खाते से		5,000
		(ब्याज का भुगतान किया गया)		

प्रश्न 4. तलपट बनाने की विधियों के नाम लिखिए।
उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 4 देखें।

प्रश्न 5. पेशेवर व्यक्ति किसे कहते हैं?
उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 5 देखें।

प्रश्न 6. साझेदारी अधिनियम के अनुसार साझेदारी को परिभाषित कीजिए।

उत्तर—भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 के अनुसार—"साझेदारी ऐसे व्यक्तियों के मध्य पारस्परिक संबंध को कहते हैं, जिन्होंने किसी ऐसे व्यवसाय के लाभों को आपस में बाँटने का समझौता किया है जो उन सबके द्वारा या उनकी ओर से किसी एक के द्वारा चलाया जाता है।"

प्रश्न 7. नये साझेदार को प्रवेश देने की आवश्यकता के कोई दो कारण लिखिए।

उत्तर—नये साझेदार को फर्म में प्रवेश देने के कारण निम्नलिखित हैं—

1. पूँजी की पूर्ति हेतु—साझेदारी फर्म के विकास एवं विस्तार हेतु अतिरिक्त पूँजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए नये साझेदार को प्रवेश दिया जाता है।

2. विशिष्ट योग्यता प्राप्त व्यक्ति का सहयोग—विशिष्ट योग्यता वाले व्यक्ति, अनुभवी एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति की आवश्यकता को पूर्ण करने तथा साझेदारी के संचालन में उसका सहयोग प्राप्त करने के लिए ऐसे व्यक्ति को फर्म में नये साझेदार के रूप में प्रवेश दिया जाता है।

प्रश्न 8. 'उपरिव्यय' से क्या आशय है?

उत्तर—अप्रत्यक्ष सामग्री, अप्रत्यक्ष श्रम तथा अप्रत्यक्ष व्ययों की लागत के योग को 'उपरिव्यय' कहते हैं।

प्रश्न 9. 'वित्तीय विवरण' में किसी व्यावसायिक इकाई के कौन-से विवरण पत्र शामिल किये जाते हैं?

उत्तर—किसी व्यावसायिक इकाई के वित्तीय विवरण में व्यापार एवं लाभ-हानि खाता तथा चिट्ठे को शामिल किया जाता है।

प्रश्न 10. चालू व्यवसाय की मान्यता को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—इस अवधारणा की मान्यता यह है कि व्यावसायिक इकाई अपनी गतिविधियों को असीमित समय तक चलाती रहेगी। इसका तात्पर्य यह है कि प्रत्येक व्यावसायिक इकाई के जीवन में निरंतरता है, इसलिए जल्दी ही इसका समापन नहीं होगा।

प्रश्न 11. सैद्धांतिक अशुद्धियों से क्या आशय है?

उत्तर—लेखांकन की द्विप्रविष्टि प्रणाली के सिद्धान्तों एवं नियमों का पालन न होने कारण जो गलतियाँ होती हैं उसे सैद्धांतिक अशुद्धियाँ कहते हैं।

प्रश्न 12. पूँजीगत और आगमगत व्यय में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (कोई तीन)

उत्तर—छात्र सेट-2 वर्ष 2012 (मई-जून) का प्र. क्र. 12 देखें।

प्रश्न 13. X Co. ने ₹ 10 वाले 5,000 समता अंश निर्गमित किये। सम्पूर्ण राशि आवेदन के साथ ही देय है। सभी अंश जनता के द्वारा ले लिए गए और वांछित राशि कंपनी को प्राप्त हो गई। कंपनी की नकल बही में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल—X Co. की पुस्तकों में—

पंजी प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1.	बैंक खाता विक. समता अंश आवेदन खाते से (आवेदन पर सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त होने पर)		3,00,000	 3,00,000
2.	समता अंश आवेदन खाता विक. समता अंश पूँजी खाते से (आवेदन की राशि का पूँजी खाते में अंतरण किया)		3,00,000	 3,00,000

प्रश्न 14. निम्नलिखित जानकारी से शुद्ध लाभ अनुपात की गणना कीजिए—

शुद्ध लाभ — ₹ 45,000 विक्रय — ₹ 6,40,000

विक्रय वापसी — ₹ 40,000

हल : शुद्ध लाभ अनुपात की गणना—

$$\text{शुद्ध लाभ अनुपात} = \frac{\text{शुद्ध लाभ}}{\text{शुद्ध बिक्री}} \times 100$$

शुद्ध बिक्री = विक्रय — विक्रय वापसी

= 6,40,000 — 40,000

= ₹ 6,00,000

$$\text{शुद्ध लाभ अनुपात} = \frac{45,000}{6,00,000} \times 10$$

= 7.5x.

प्रश्न 15. लागत लेखांकन एवं वित्तीय लेखांकन में कोई तीन समानताएँ लिखिए।

उत्तर—लागत लेखांकन एवं वित्तीय लेखांकन में समानताएँ—

1. दोनों लेखांकन पद्धति दोहरा लेखा प्रणाली पर आधारित हैं।
2. भावी नीतियों के निर्धारण में दोनों लेख सहायक होते हैं।
3. दोनों ही लेख व्यवसाय के लाभ व हानि ज्ञात करते हैं।

प्रश्न 16. निम्नलिखित जानकारी से 30 जून, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये जैन-क्लब का प्राप्ति भुगतान खाता बनाइये।

रोकड़ शेष—1.1.10 को ₹ 30,000।

सदस्यता शुल्क — क्लब के 600 सदस्यों से ₹ 15 प्रति सदस्य लेना था परन्तु 70 सदस्यों ने चंदा नहीं दिया जबकि 30 सदस्यों ने आगामी वर्ष के लिये भी चंदा दे दिया।

वेतन — ₹ 600 प्रति माह की दर से मई 2011 का वेतन दिया गया।

किराया — ₹ 500 प्रति माह की दर से दिसंबर 2011 तक का किराया दिया गया।

फर्नीचर — दिसंबर 2011 में फर्नीचर के क्रय हेतु ₹ 3,000 अग्रिम दिये गये परन्तु वर्ष के अन्त तक ₹ 1,400 का ही फर्नीचर प्राप्त हुआ।

हल : जैन क्लब का प्राप्ति-भुगतान खाता

(30 जून, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

प्राप्ति	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
शेष नी/ले	30,000	वेतन (11 माह)	6,600
सदस्यता शुल्क		किराया (18 माह)	9,000
चालू वर्ष (530 × 15)	7,950	फर्नीचर	3,000
अगला वर्ष (30 × 15)	450	शेष नी/ले	19,800
	38,400		38,400

अथवा

प्रश्न—एक विद्यार्थी ने निम्नलिखित प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार किया है। कुछ मदों को इसके गलत पक्ष में लिख दिया गया है। सुधारकर नया प्राप्ति एवं भुगतान खाता बनाइये।

प्राप्ति	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
प्रारंभिक शेष	3,600	प्रवेश शुल्क	800
मजदूरी	1,600	अखबरों की रद्दी बिक्री	400
चंदा	7,200	पुस्तकों का क्रय	4,800
		हस्तस्थ रोकड़	4,600
		टेलीफोन व्यय	1,200
		स्थायी जमा पर ब्याज	600
	12,400		12,400

हल : **प्राप्ति एवं भुगतान खाता**

(31 मार्च 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

प्राप्तियाँ	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
प्रारभिक शेष	3,600	मजदूरी	1,600
चंदा	7,200	पुस्तकों का क्रय	4,800
प्रवेश शुल्क	800	टेलीफोन व्यय	1,200
अखबारों की रद्दी बिक्री	400	अंतिम शेष	5,000
स्थाई जमा पर ब्याज	600		
	12,600		12,600

प्रश्न 17. अ और ब ने 1 अप्रैल, 2010 को क्रमशः ₹ 50,000 और ₹ 40,000 से व्यापार प्रारंभ किया। साझेदारी संलेख के अनुसार 'ब' ₹ 1,000 प्रति माह वेतन प्राप्त करने का अधिकारी है। पूँजी पर ब्याज 6% वार्षिक दिया जाता है। शेष लाभ दोनों साझेदारों में समान अनुपात में विभाजित कर दिया जाता है। 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष में 'ब' का वेतन तथा पूँजी पर ब्याज देने के पूर्व फर्म का लाभ ₹ 49,600 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये।

हल : **लाभ-हानि नियोजन खाता**

(31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

विक. **समा.**

विवरण		राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
पूँजी पर ब्याज से			शेष नी/ला	49,600
अ :	3,000			
ब :	2,400	5,400		
ब को वेतन		12,000		
लाभ (साझेदारों के पूँजी खाते में स्थानांतरित)				
अ :	16,100			
ब :	16,100	32,200		
		49,600		49,600

अथवा

प्रश्न—1 जनवरी, 2011 को X और Y बिना किसी समझौते के साझेदार हैं और क्रमशः ₹ 1,00,000, ₹ 50,000 पूँजी लगाते हैं। 31 अगस्त, 2011 को X फर्म को ₹ 40,000 ऋण के रूप में देता है। वर्ष 2011 का लाभ-हानि खाता ₹ 40,000 का लाभ दर्शाता है। किन्तु साझेदार ब्याज और लाभ विभाजन के प्रश्न पर सहमत नहीं हो सके। अपनी विधि के लिये कारण देते हुए आपको उनके बीच लाभ का विभाजन करते हुए लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये।

हल : **लाभ-हानि नियोजन खाता**

(31 दिसम्बर, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

विक. **समा.**

विवरण		राशि	विवरण	राशि (₹)
ऋण पर ब्याज		800	शेष नी/ले	40,000
शुद्ध लाभ				
X :	19, 600			
Y :	19,600	39,200		
		40,000		40,000

प्रश्न 18. एक फर्म की कार्यशील पूँजी ₹ 80,000 है। इस प्रकार के व्यवसाय में 10% सामान्य लाभ होने का अनुमान है। फर्म का 5 वर्षों का औसत लाभ ₹ 16,000 है। संलेख के अनुसार ख्याति का मूल्य पिछले 5 वर्षों के औसत लाभ का तीन गुना है। ख्याति की राशि ज्ञात कीजिये।

हल—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 20 (अथवा) की तरह हल करें।

अथवा

प्रश्न—कल्लू और पप्पू एक फर्म में 3 : 2 के साझेदार हैं। वे टिल्लू को 1/6 भाग हेतु साझेदार बनाते हैं। यदि वह ₹ 20,000 पूँजी के देता है, तो शेष साझेदारों की पूँजी ज्ञात कीजिए।

हल—छात्र सेट-3 वर्ष 2011 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 28 (अथवा) देखें।

प्रश्न 19. ओके लि. ने टाटा एण्ड कंपनी से ₹ 1,10,000 में एक मशीन खरीदी। क्रय मूल्य के भुगतान स्वरूप ओके लि. ने ₹ 1,00,000 के 6% ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये। ओके लि. की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल : ओ के लि. की पुस्तकों में—

जर्नल प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1.	मशीन खाता विक.		1,10,000	
	टाटा एंड कंपनी से			1,10,000
	(मशीन क्रय करने पर)			
2.	टाटा एंड कंपनी विक.		1,10,000	
	6x ऋणपत्र खाते से			1,10,000
	प्रीमियम खाते से			10,000
	(मशीन खरीदने के प्रतिफल में			
	10x प्रीमियम पर ऋणपत्रों	का निर्गमन	किया)	

अथवा

प्रश्न—अनिल एण्ड कंपनी ने ₹ 100 वाले 2,000, 5% ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये, जिन पर ₹ 20 प्रति ऋणपत्र आवेदन पर तथा शेष प्रीमियम सहित आबंटन पर देय थी। कंपनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 21 (अथवा) देखें।

प्रश्न 20. निम्नलिखित सौदों की श्री जैन की नकल बही में प्रविष्टियाँ कीजिए—

5 जून, 2011 — व्यवसाय खरीदा ₹ 15,000.

10 जून, 2011 — ₹ 100 का माल नि:शुल्क नमूने के रूप में वितरित किया।

15 जून, 2011 — एक क्लर्क ने कार्यालय से ₹ 500 चुरा लिया।

18 जून, 2011 — आयकर चुकाये ₹ 4,000.

हल : जैन की पुस्तकों में

पंजी प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा.पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
2011				
जून-5	व्यवसाय क्रय खाता विक.		15,000	
	रोकड़ खाते से			15,000
	(व्यवसाय नकद खरीदा)			
जून-10	विज्ञापन खाता विक.		100	
	क्रय खाते से			100
	(₹ 100 का माल नमूने में वितरित किया)			
जून-11	चोरी से हानि खाता विक.		500	
	रोकड़ खाते से			500
	(क्लर्क ने चुराया)			
जून-18	आयकर खाता विक.		4,000	
	रोकड़ खाते से			4,000
	(आयकर व विक्रय क्रय चुकाया)			
	योग		19,600	19,600

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित व्यवहारों की रोजनामचा में प्रविष्टियाँ कीजिए—

2011		**₹**
1 जून	नकद से व्यवसाय प्रारंभ किया	50,000
3 जून	बैंक में जमा कराया	25,000
7 जून	फर्नीचर नकद खरीदा	7,000
10 जून	माल खरीदा व चेक से भुगतान किया	5,000

हल :

पंजी प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा.पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
2011				
जून-1	रोकड़ खाता विक.		50,000	
	पूँजी खाते से			50,000
	(नकद से व्यापार प्रारंभ किया)			
जून-3	बैंक खाता विक.		25,000	
	रोकड़ खाते से			25,000
	(बैंक में नकद जमा किया)			
जून-7	फर्नीचर खाता विक.		7,000	
	रोकड़ खाते से			7,000
	(नकद फर्नीचर क्रम)			
जून-10	क्रय खाता विक.		5,000	
	बैंक खाते से			5,000
	(माल खरीदा व चेक से भुगतान किया)			
	योग		87,000	87,000

प्रश्न 21. बहीखाता एवं लेखाकर्म में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (कोई चार)

उत्तर—बहीखाता एवं लेखाकर्म में अन्तर—

आधार	बहीखाता	लेखाकर्म
उद्देश्य	समस्त सौदों का व्यवस्थित लेखा करना ही बहीखाता का मुख्य उद्देश्य है।	बहीखाते में लिखे गए व्यवहारों का विश्लेषण करना एवं भावी नीति निर्धारण करना लेखाकर्म का प्रमुख उद्देश्य है।
क्षेत्र	इसका क्षेत्र सीमित है क्योंकि सौदों को केवल प्रारम्भिक पुस्तकों में ही लिखा जाता है।	इसका क्षेत्र विस्तृत है। इसमें बहीखाते के अतिरिक्त अंतिम खाता तैयार किया जाता है तथा समायोजन लेखे बनाये व विश्लेषण द्वारा प्रमाण ज्ञात किया जाता है।
क्रम		यह बहीखाता के बाद बनाया जाता है।
लेखा समय	सर्वप्रथम बहीखाता तैयार किया जाता है। इसमें लेखा उसी दिन करते हैं जिस दिन	इसमें लेखा कार्य वर्ष के अंत में अंतिम खाता बनाते समय किया जाता है।

अथवा

प्रश्न—दोहरा लेखा प्रणाली के मूल सिद्धान्तों को समझाइये। (कोई चार)

उत्तर—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 16 देखें।

प्रश्न 22. एक व्यावसायिक इकाई के आगे दिए गए विवरण से परिचालन लाभ अनुपात का निर्धारण कीजिए।

विवरण	₹
विक्रय	80,000
ऋण पत्रों पर ब्याज	2,000
शुद्ध लाभ	6,000

हल : परिचालन लाभ अनुपात की गणना—

ब्याज से पूर्व शुद्ध लाभ = ₹ 6,000 + ₹ 2,000

= ₹ 8,000

$$\text{परिचालन लाभ अनुपात} = \frac{8,000}{80,000} \times 100$$

= 10x

अथवा

प्रश्न—नीचे दिये गए समंकों से सकल लाभ अनुपात की गणना कीजिए—

विवरण	₹
विक्रय	1,50,000
बिके हुए माल की लागत	1,20,000
परिचालन व्यय	12,000

हल : सकल लाभ अनुपात $= \frac{\text{सकल लाभ}}{\text{शुद्ध विक्रय}} \times 100$

सकल लाभ = विक्रय माल की लागत

= ₹ 1,50,000 – ₹ 1,20,000

= ₹ 30,000

$$\text{सकल लाभ अनुपात} = \frac{30,000}{1,50,000} \times 100 = 20x$$

प्रश्न 23. निम्नलिखित सूचनाओं से विक्रय लागत (कुल लागत) की गणना कीजिए—

विवरण	राशि ₹
प्रत्यक्ष सामग्री	80,000
प्रत्यक्ष श्रम	26,000
प्रत्यक्ष व्यय	9,500
कारखाना उपरिव्यय	22,500
कार्यालय एवं प्रशासन उपरिव्यय	14,000
विक्रय व वितरण उपरिव्यय	16,500

हल : विक्रय लागत (कुल लागत) की गणना—

विवरण		राशि ₹
प्रत्यक्ष सामग्री		80,000
प्रत्यक्ष श्रम		26,000
प्रत्यक्ष व्यय		9,500
	मूल लागत	1,15,500

कारखाना उपरिव्यय		22,500
	कारखाना लागत	1,38,000
कार्यालय व प्रशासनिक उपरिव्यय		14,000
	कुल उत्पादन लागत	1,52,000
विक्रय व वितरण उपरिव्यय		16,500
	विक्रय लागत (कुल लागत)	1,68,500

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित सूचनाओं से माल के विक्रय मूल्य की गणना कीजिए—

विवरण	**राशि ₹**
उत्पादन लागत	2,90,000
निर्मित माल का प्रारंभिक स्टॉक	44,000
निर्मित माल का अंतिम स्टॉक	12,000
विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय	50,000
लाभ	44,000

हल : विक्रय दर्शाता विवरण

विवरण		**राशि (₹)**
उत्पादन लागत		2,90,000
(+) तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक		44,000
		3,34,000
(—) तैयार माल का अंतिम स्टॉक		12,000
	विक्रय माल की लागत	3,22,000
(+) विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय		50,000
		3,72,000
(+) लाभ		44,000
विक्रय		4,16,000

प्रश्न 24. निम्नलिखित अशुद्धियों के संशोधन हेतु प्रविष्टियाँ कीजिए—

(i) पुरानी मशीन की बिक्री को विक्रय खाते में लिख दिया गया ₹ 2,000.

(ii) यंत्र की मरम्मत के ₹ 400 यंत्र खाते में लिखे गए।

हल : संशोधन प्रविष्टियाँ

तिथि	**विवरण**	**खा. पृ.**	**विक. राशि (₹)**	**समा. राशि (₹)**
1.	विक्रय खाता विक.		2,000	
	मशीन खाते से			2,000
	(पुरानी मशीन की बिक्री			
	को विक्रय खाते में लिखा			
	गया था, जिसमें सुधार किया)			

2.	मरम्मत खाता विक.		400	
	मशीन खाते से			400
	(यंत्र के मरम्मत को यंत्र			
	खाते में लिखा गया था			
	जिसमें सुधार किया)			

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित शेषों से 30 जून, 2011 का तलपट बनाइये—

वेतन—₹ 5,000	भवन—₹ 40,000
पूँजी—₹ 66,000	देय विपत्र—₹ 11,600
देनदार—₹ 16,000	बीमा—₹ 550
लेनदार—₹ 18,100	प्राप्य विपत्र—₹ 5,000
बैंक अधिविकर्ष—₹ 16,000	प्राप्त कमीशन—₹ 6,000
दान—₹ 300	क्रय—₹ 10,000
विक्रय—₹ 22,000	क्रय वापसी—₹ 300
विक्रय वापसी—₹ 100	हस्तस्थ रोकडढ़—₹ 62,450

हल : तलपट (30 जून, 2011 के लिए)

खातों के नाम	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
वेतन		5,000	—
भवन		40,000	—
पूँजी		—	66,000
देय विपत्र		—	11,600
देनदार		16,000	—
बीमा		550	—
लेनदार		—	18,100
प्राप्य विपत्र		5,000	—
बैंक अधिविकर्ष		—	16,000
प्राप्त कमीशन		—	6,000
दान		300	—
क्रय		10,000	—
विक्रय		—	22,000
क्रय-वापसी		—	300
विक्रय-वापसी		700	—
हस्तस्थ रोकड़		62,450	—
	योग	1,40,000	1,40,000

प्रश्न 25. प्रियदर्शी की लेखा पुस्तकों से ली गई निम्नलिखित सूचना के आधार पर 30 जून, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये व्यापार खाता बनाइये।

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
प्रारंभिक स्टॉक	6,500	मजदूरी	4,800
क्रय	45,000	ईंधन एवं बिजली	3,200
विक्रय	72,000	रोकड़	4,500
आंतरिक वापसी	1,500	कार्यालय व्यय	3,200
बाह्य वापसी	500	कार्यालय किराया	6,800
क्रय पर भाड़ा	1,200		

हल : **प्रियदर्शी का व्यापार खाता**

(30 जून, 2011 की समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

विक. **समा.**

विवरण		राशि (₹)	विवरण		राशि (₹)
प्रारंभिक रहतिया		6,500	विक्रय	: 72,000	
क्रय :	45,000		(–) वापसी	: 500	71,500
(–) वापसी :	1,500	43,500			
क्रय पर भाड़ा		1,200			
मजदूरी		4,800			
ईंधन व बिजली		3,200			
सकल लाभ		12,300			
(ला/हा खाते में स्थान)					
		71,500			71,500

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित सूचना से प्रेयस ब्रदर्स का 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये लाभ-हानि खाता तैयार कीजिये—

विवरण	राशि	विवरण	राशि
सकल लाभ	69,800	प्राप्त बट्टा	600
डूबत ऋण	1,500	कमीशन प्राप्त	2,400
अवक्षयण	2,500	बाह्य भाड़ा	1,600
कार्यालय किराया	9,800	पूर्वदत्त बीमा	600
बीमा	3,200	वेतन	6,900
टेलीफोन व्यय	1,700	स्टेशनरी	1,700
ऋण पर ब्याज	2,900	फर्नीचर	6,000
भवन	5,000		

हल : **लाभ-हानि खाता**

(31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए)

विक. **समा.**

विवरण	**राशि**	**विवरण**	**राशि**
डूबत ऋण	1,500	सकल लाभ	69,800
अवक्षयण	2,500	बट्टा	600
कार्यालय किराया	9,800	कमीशन	2,400
बीमा	3,200		
टेलीफोन व्यय	1,700		
ऋण पर ब्याज	2,900		
बाह्य भाड़ा	1,600		
वेतन	6,900		
स्टेशनरी	1,700		
शुद्ध लाभ	41,000		
	72,800		72,800

प्रश्न 26. X और Y एक फर्म में साझेदार हैं। 1 जनवरी, 2010 को उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 50,000 और ₹ 40,000 थी। उन्हें पूँजी पर 8% वार्षिक की दर से ब्याज दिया जाता है तथा उनके आहरणों पर 12% वार्षिक ब्याज लगाया जाता है। X ने 1 जुलाई, 2010 को ₹ 10,000 फर्म को ऋण के रूप में दिये। Y, ₹ 5,000 वार्षिक वेतन पाने का अधिकारी है। उनके आहरणों पर ब्याज क्रमशः ₹ 600 एवं ₹ 500 लगाया गया। 31 दिसंबर, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ उपर्युक्त समायोजन के पूर्व ₹ 50,000 था। वर्ष 2010 का लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइये।

हल : **लाभ-हानि नियोजन खाता**

(31 दिसम्बर, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

विवरण			**राशि**	**विवरण**			**राशि**
पूँजी पर ब्याज से				शेष नी/ला			50,000
X	:	4,000		आहरण पर ब्याज को			
Y	:	3,200	7,200	X	:	600	
				Y	:	500	1,100
ऋण पर ब्याज से			300				
X को वेतन			5,000				
लाभ (साझे. को पूँजी खाते में स्था.)							
X	:	19,300					
Y	:	19,300		38,600			
			51,100				51,100

टीप— ऋण पर ब्याज $= \frac{10,000 \times 6 \times 6}{12 \times 100}$

= ₹ 300

अथवा

प्रश्न—अमन और रमन एक फर्म में साझेदार हैं, जो लाभ-हानि का विभाजन बराबर करते हैं। दोनों की स्थाई पूँजी क्रमशः ₹ 80,000 और ₹ 60,000 है। वर्ष 2010 में पूँजी पर ब्याज 6% के स्थान पर 5% क्रेडिट किया गया। त्रुटि के सुधार हेतु आवश्यक समायोजन प्रविष्टि कीजिए।

हल : **समायोजन प्रविष्टि**

तिथि	विवरण	खा. पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
2011 जन.1	अमन का पूँजी का खाता विक. रमन के पूँजी खाते से (पूँजी पर 1x ब्याज का समायोजन)		100	100

समायोजन सारणी

साझेदार	विकलन	समाकलन	अंतर राशि	
	पूँजी पर ब्याज की हानि	पूँजी पर 1% ब्याज	विक.	समा.
अमन	700	800	—	100
रमन	700	600	100	—
योग	1,400	1,400	100	100

प्रश्न 27. रानु क्लब का प्राप्ति भुगतान खाता 30 जून, 2011 को निम्नलिखित है—

प्राप्तियाँ	राशि	भुगतान	राशि
रोकड़ शेष	2,400	उपस्कर	1,600
चंदा	8,420	किराया व कर	4,370
आजीवन सदस्यता शुल्क	500	वेतन व मजदूरी	1,400
प्रवेश शुल्क	2,980	सामान्य व्यय	1,880
विनियोगों पर ब्याज	88	रोकड़ शेष	5,138
	14,388		14,388

समायोजन—

(i) प्रवेश शुल्क आगमगत मानिये।

(ii) आजीवन सदस्यता शुल्क का पूँजीयन करना है।

(iii) फर्नीचर पर 10x ास लगाना है।

(iv) ₹ 400 सामान्य व्यय के अदत्त हैं।

आय-व्यय खाता बनाइये।

हल—रानु क्लब का

आय-व्यय खाता

(30 जून, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

व्यय		राशि	आय	राशि
फर्नीचर पर ह्रास		160	चंदा	1,600
किराया व कर		4,370	प्रवेश शुल्क	2,980
सामान्य व्यय	1,880		विनियोग पर ब्याज	88
(+) अदत्त	400	2,280		
आय का व्यय पर आधिक्य		3,278		
		11,488		11,488

अथवा

प्रश्न—लायंस क्लब के निम्नलिखित प्राप्ति भुगतान खाते से 31 दिसंबर, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय-व्यय खाता तैयार कीजिये।

प्राप्तियाँ	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
रोकड़ शेष	650	सामान्य व्यय	328
चंदा	950	वेतन	240
प्रवेश शुल्क	980	फर्नीचर	1,000
विनियोग पर ब्याज	120	किराया	412
विविध प्राप्तियाँ	290	विनियोग	310
		रोकड़ शेष	700
	2,990		2,990

समायोजन—

(i) वार्षिक चंदे के ₹ 150 बकाया है तथा ₹ 50 आगामी वर्ष के हैं।

(ii) फर्नीचर पर ₹ 30 ह्रास अपलिखित करना है

(iii) विनियोग पर ₹ 50 ब्याज के अप्राप्त हैं।

(iv) प्रवेश शुल्क का पंजीयन करना है।

हल : लायंस क्लब का

आय-व्यय खाता

(31 दिसंबर, 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए)

व्यय	राशि (₹)	आय			राशि (₹)
सामान्य व्यय से	328	चंदा	:	950	
वेतन से	240	(+) बकाया	:	150	
फर्नीचर पर ह्रास	30			11,00	
किराया से	412	(−) पूर्व प्राप्त	:	50	1,050
आय का व्यय पर आधिक्य	500				
		विनियोग पर ब्याज	:	120	
		(+) अप्राप्त ब्याज	:	50	170
		विविध प्राप्तियाँ			290
	1,510				1,510

प्रवेश शुल्क के पूँजीकरण को आय-व्यय खाता में नहीं दर्शाया जाता है।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—2010

कक्षा-12वीं

विषय- लेखांकन

सेट-5

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश— सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(1) प्रश्न पत्र अ, ब एवम् स तीन खण्डों में विभक्त है।

(2) खण्ड 'अ' अनिवार्य है तथा खण्ड 'ब' और 'स' में से किसी एक खण्ड को हल करना है।

(3) प्रश्न क्रमांक 4 से 11 तथा क्रमांक 19 में प्रति प्रश्न 4 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 75 शब्द है।

(4) प्रश्न क्रमांक 12 से 17 तथा प्रश्न क्रमांक 20 में प्रति प्रश्न 6 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 150 शब्द है।

(5) प्रश्न के अनुसार निश्चित शब्द सीमा में उचित विषय वस्तु लिखिये।

(6) आंकिक प्रश्नों हेतु उचित गणनाएँ कीजिए। इन प्रश्नों हेतु शब्द सीमा लागू नहीं होगी।

(खण्ड—अ)

प्रश्न 1. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करके कथन को उत्तर पुस्तिका में लिखिए—

(अ) स्थायी सम्पत्तियों को उनके.....मूल्य पर दर्शाया जाता है।

उत्तर—लागत मूल्य।

(ब) भारत में सामान्य रूप से मानी गई लेखा अवधि.....है।

उत्तर—अप्रैल से मार्च।

(स) अधिविकर्ष की स्थिति में रोकड़-बही का.....शेष होगा।

उत्तर—जमा।

(द) साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदारों के मध्य लाभ-हानि का विभाजन..... अनुपात में होगा।

उत्तर—समान।

(इ) ख्याति एक.....सम्पत्ति है।

उत्तर—अमूर्त।

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों में सत्य और असत्य का निर्णय करके सत्य कथन उत्तर पुस्तिका में लिखिए—

(i) संचित पूँजी की याचना कम्पनी कभी भी कर सकती है।

उत्तर—असत्य।

(ii) किसी ग्राहक द्वारा सीधे बैंक खाते में राशि जमा करने पर पास बुक का शेष बढ़ जायेगा।
उत्तर—सत्य।

(iii) समता अंशधारी स्थायी दर से लाभांश प्राप्त करते हैं।
उत्तर—असत्य।

(iv) प्राप्ति व भुगतान खाता रोकड़ बही का सारांश है।
उत्तर—सत्य।

(v) जिन सम्पत्तियों को देखा व छुआ न जा सके उन्हें स्थायी सम्पत्ति कहते हैं।
उत्तर—असत्य।

प्रश्न 3. एक वाक्य में उत्तर दीजिए—

(i) यदि तलपट के दोनों पक्षों का योग समान नहीं है तो शेष राशि को किस खाते में लिखा जायेगा?
उत्तर—उचन्त।

(ii) साझेदारी में साझेदार का असीमित दायित्व उसके लिये गुण है या दोष?
उत्तर—दोष।

(iii) निश्चित दर से लाभांश किन अंशों पर मिलता है?
उत्तर—पूर्वाधिकार अंशों पर।

(iv) कमीशन प्राप्त होने पर कमीशन खाता विकलित होगा या समाकलित?
उत्तर—समाकलित।

(v) एक औषधालय की विविध प्रारम्भिक सम्पत्तियाँ ₹ 15,000 तथा विविध प्रारम्भिक दायित्व ₹ 2,000 है। उसका पूँजी कोष कितना होगा?
उत्तर—₹ 13,000।

(vi) किसी संस्था को ₹ 20,000 प्रवेश शुल्क मिला है, जिसका आधा भाग आयगत मानना है, तो अन्तिम चिट्ठे में कितनी राशि लिखी जायेगी।
उत्तर—₹ 10,000।

(vii) नकद भुगतानों के लिये कौन-सा प्रमाणक बनाया जाता है?
उत्तर—कैश मेमो।

प्रश्न 4. पूर्वदत्त व्यय क्या है? इसकी समायोजन प्रविष्टि लिखिए।

उत्तर—ऐसा व्यय जिनका भुगतान सेवा प्राप्ति के पहले ही किया जा चुका है, पूर्वदत्त व्यय कहलाता है।

पूर्वदत्त व्यय की समायोजन प्रविष्टि—

पूर्वदत्त बीमा प्रीमियम की समायोजन प्रविष्टियाँ—

पूर्वदत्त बीमा प्रीमियम खाता विक.
    बीमा प्रीमियम खाते से
(बीमा प्रीमियम राशि का अग्रिम भुगतान)

प्रश्न 5. "अंशों के हरण" का क्या अर्थ है? अंशों के हरण की प्रक्रिया समझाइये।

उत्तर—अंश हरण का अर्थ—जब अंश पत्रधारी अपने धारित अंशों पर आबंटन या याचना की राशि चुकाने में असमर्थ होता है तो कंपनी उसके आबंटन को रद्द कर देती है तथा उस पर प्राप्त राशि को जब्त कर लेती है, इसे ही अंशों का हरण कहते हैं।

अंश हरण की प्रक्रिया—1. सूची तैयार करना—सर्वप्रथम कंपनी सचिव उन अंशधारियों की सूची तैयार करती है जिन्होंने माँगी गई याचना की देय तिथि तक भुगतान नहीं किया है और इस सूची को संचालक मण्डल की सभा में प्रस्तुत करती है।

2. अंशधारियों को सूचित करना—कंपनी अंतर्नियमों के आधार पर संचालक मण्डल सूची का अवलोकन करता है तथा सचिव को आदेश देता है कि ऐसे सभी अंशधारियों को सूचना भेजे जिन्होंने याचना की राशि तथा ब्याज की राशि का भुगतान न किया हो।

3. स्मरणार्थ सूचना देना—सूचना देने के बाद यदि अंशधारी याचना एवं ब्याज की राशि का भुगतान नहीं करता है तो ऐसी दशा में अंशधारी को पुन: एक सूचना भेजी जाती है। ऐसी सूचना में सूचना प्राप्ति के 14 दिन से पूर्व भुगतान की तिथि निर्दिष्ट नहीं की जानी चाहिए।

4. अंशों का हरण करना—स्मरणात्मक सूचना के पश्चात् भी यदि अंशधारी याचना और ब्याज की राशि का भुगतान नहीं करता है तो संचालक मण्डल अंशों के हरण हेतु प्रस्ताव पारित करती है और अंशधारी को इसकी सूचना भेजकर अंशों का हरण कर लेती है।

अथवा

प्रश्न—ऋणपत्र कितने प्रकार के होते हैं? किन्हीं चार को समझाइये।

उत्तर—ऋणपत्र के प्रकार—

1. शोध्य ऋणपत्र—उन ऋणपत्रों को शोध्य ऋणपत्र कहते हैं, जिनका भुगतान एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर ऋणपत्रधारी की प्रार्थना पर या उन्हें सूचना देकर निर्धारित शर्तों के अंतर्गत कंपनी द्वारा कर दिया जाता है।

2. अशोध्य ऋणपत्र—वह ऋणपत्र जिनका भुगतान कंपनी के जीवनकाल में नहीं किया जाता है बल्कि कंपनी के समापन की दशा में ही इनका भुगतान पूर्व निर्धारित शर्तों के अनुसार किया जाता है। अत: इन ऋणपत्रों को अशोध्य ऋणपत्र कहते हैं।

3. बंधक ऋणपत्र—वह ऋणपत्र बंधक ऋणपत्र कहलाता है जिसमें ऋणपत्रधारी को मूलधन तथा ब्याज के भुगतान के लिए कोई जमानत या प्रतिभूति दी जाती है। जैसे—कंपनी के चल एवं अचल सम्पत्तियों पर प्रभाव की सुरक्षा आदि।

4. रजिस्टर्ड ऋणपत्र—उन ऋणपत्रों को रजिस्टर्ड ऋणपत्र कहते हैं जिनका निर्गमन कंपनी अधिनियम के अंतर्गत किया जाता है तथा जिसमें मूलधन एवं ब्याज का भुगतान उसी ऋणपत्रधारी को दिया जाता है जिसका नाम कंपनी के ऋणपत्रधारियों के रजिस्टर में उल्लेखित हो।

प्रश्न 6. साझेदारी फर्म के विघटन पर की जाने वाली पंजी प्रविष्टियाँ दीजिए। (कोई चार)

उत्तर—साझेदारी फर्म के विघटन पर की जाने वाली प्रविष्टियाँ—

1. सम्पत्तियों की बिक्री पर—

रोकड़ या बैंक खाता		विक.
	वसूली खाते से	
(सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त रोकड़)		

2. साझेदारों द्वारा सम्पत्तियाँ लेने पर—

साझेदार का पूँजी/चालू खाता		विक.
	वसूली खाते से	
(साझेदार द्वारा सम्पत्ति ली गई)		

3. साझेदार द्वारा दायित्व लेने पर—

वसूली खाता		विक.
	साझेदार के पूँजी खाते से	
(साझेदारी द्वारा दायित्व ली गई)		

4. वसूली व्यय होने पर—

वसूली खाता विक.

रोकड़ खाते से

(वसूली व्यय के दिये)

अथवा

प्रश्न—साझेदारी फर्म की ख्याति के मूल्यांकन की निम्नलिखित विधियों को समझाइये—

(अ) अधिलाभ विधि (ब) पूँजीकरण विधि

उत्तर—ख्याति मूल्यांकन की विधि—

(अ) अधिलाभ विधि—वास्तविक औसत लाभ एवं सामान्य लाभ के अंतर को अधिलाभ कहा जाता है। इस अधिलाभ के बराबर या कुछ गुना ख्याति का मूल्य निर्धारित किया जाता है।

(ब) पूँजीकरण विधि—इस विधि में फर्म द्वारा अर्जित लाभ और उसमें लगाई गई पूँजी की तुलना अन्य फर्मों के औसत लाभ और पूँजी से की जाती है। इस विधि में सामान्यत: यह ज्ञात किया जाता है कि औसत लाभ अर्जित करने हेतु कितनी पूँजी का विनियोग किया जाना चाहिए। विनियोजित पूँजी और औसत लाभ हेतु आवश्यक पूँजी के अंतर को ख्याति की राशि मान लिया जाता है।

प्रश्न7. निम्नलिखित व्यवहारों की रोजनामचे में प्रविष्टियाँ कीजिए—

2007	**₹**
जनवरी -1 नकद से व्यापार प्रारंभ किया	50,000
जनवरी-3 बैंक में जमा कराया	25,000
जनवरी-5 फर्नीचर नकद खरीदा	5,000
जनवरी-8 माल खरीदा व चेक से भुगतान किया	15,000

हल : पंजी-प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा.पृ.	विक. राशि	समा. राशि
2007	रोकड़ खाता विक.		50,000	
	पूँजी खाते से			50,000
	(नकद से व्यापार शुरू किया)			
जन-3	बैंक खाता विक.		25,000	
	रोकड़ खाते से			25,000
	(नकद बैंक में जमा किया)			
जन-5	फर्नीचर खाता विक.		5,000	
	रोकड़ खाते से			5,000
	(नकद फर्नीचर क्रम)			
जन-8	क्रय खाता विक.		15,000	
	बैंक खाते से			15,000
	(माल खरीदा, चेक से भुगतान किया)			
			95,000	95,000

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित सौदों को अभिनव की नकल बही में प्रविष्ट कीजिए—

1. व्यवसाय को ₹ 75,000 में खरीदा।

2. ₹ 100 का माल नि:शुल्क नमूने के रूप में वितरित किया।

3. एक क्लर्क ने कार्यालय से ₹ 500 चुरा लिये।

4. आयकर ₹ 4,000 और विक्रय कर ₹ 12,00 चुकाये।

हल : अभिनव की पुस्तकों में—

पंजी प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा.पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1.	व्यवसाय क्रय खाता विक.		75,000	
	रोकड़ खाते से			75,000
	(व्यापार नकद खरीदा)			
2.	विज्ञापन खाता विक.		100	
	क्रय खाते से			100
	(₹ 100 का माल नमूने में बाँटा)			
3.	चोरी से हानि खाता विक.		500	
	रोकड़ खाते से			500
	(क्लर्क ने रोकड़ चुराया)			
4.	आयकर खाता विक.		4,000	
	विक्रय कर खाता विक.		1,200	
	रोकड़ खाते से			5,200
	(आयकर, एवं विक्रय कर चुकाया)			
			80,800	80,800

प्रश्न 8. निम्नलिखित अशुद्धियों के संशोधन की प्रविष्टि कीजिए—

1. फर्नीचर ₹ 4,000 में खरीदा तथा उसे क्रय खाते में लिख दिया।

2. ₹ 2,000 कीमत का माल आत्माराम ने लौटाया जिसे सीताराम के खाते में क्रेडिट कर दिया।

3. रामप्रसाद को देय जनवरी माह का वेतन ₹ 750 उसके व्यक्तिगत खाते में लिख दिया गया।

4. बाबूराम को ₹ 1,350 का माल बेचा गया जिसकी विक्रय पुस्तक में ₹ 1,530 की प्रविष्टि की गई।

हल : संशोधन प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा.पृ.	विक. राशि	समा. राशि
1.	फर्नीचर खाता विक.		4,000	
	क्रय खाते से			4,000
	(फर्नीचर खरीदा जिसे क्रय खाते में लिखा गया था संशोधन किया)			
2.	सीताराम का खाता विक.		2,000	
	आत्माराम के खाते से			2,000
	(आत्माराम के द्वारा वापसी को सीता राम के खाते में क्रेडिट किया गया था, जिसमें सुधार किया)			

3.	वेतन खाता विक.		750	
	रामप्रसाद के खाते से			750
	(वेतन की राशि रामप्रसाद के व्यक्तिगत खाते में लिख दिया गया था, सुधार प्रविष्टि किया गया)			
4.	विक्रय खाता विक.		180	
	बाबूराम के खाते से			
180				
	(विक्रय राशि अधिक लिख दी गई थी, सुधार किया)			

अथवा

प्रश्न—एक व्यापारी की लेखा पुस्तकों से नीचे दिये गये शेष लिये गये हैं। 31 मार्च, 2006 का तलपट बनाइये—

	₹		₹
हस्तस्थ रोकड़	4,200	क्रय	75,000
बैंक में रोकड़	16,800	आन्तरिक भाड़ा	2,700
प्राप्य विपत्र	18,000	वेतन	12,000
देय विपत्र	16,000	विज्ञापन	2,400
देनदार	24,600	बीमा	1,600
लेनदार	32,400	फर्नीचर	7,500
पूँजी	50,000	स्टॉक	18,600
आहरण	18,000	कार्यालय किराया	2,000
विक्रय	1,05,000		

हल : **तलपट**

(31 मार्च, 2006 को)

विवरण	**खा. पृ.**	**विक. राशि (₹)**	**समा. राशि (₹)**
पूँजी		—	50,000
विक्रय		—	1,05,000
देय विपत्र		—	16,000
लेनदार		—	32,400
क्रय		75,000	—
आतंरिक भाड़ा		2,700	—
वेतन		12,000	—
विज्ञापन		2,400	—
बीमा		1,600	—
फर्नीचर		7,500	—
स्टॉक	18,600	—	
कार्यालय किराया		2,000	—
प्राप्य विपत्र		18,000	—

देनदार		24,600	—
हस्तस्थ रोकड़		4,200	—
बैंक में रोकड़		16,800	—
आहरण		18,000	—
योग		2,03,000	2,03,000

प्रश्न 9. पी. मुखर्जी की लेखा पुस्तकों से ली गई निम्नलिखित सूचना के आधार पर 31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापार खाता बनाइये—

	₹		₹
प्रारम्भिक स्टॉक	6,500	रोकड़	4,500
क्रय	45,000	कार्यालय व्यय	3,200
विक्रय	72,000	कारखाना किराया	8,600
वापसी आन्तरिक	1,500		
वापसी बाह्य	500		
क्रय पर भाड़ा	1,200		
मजदूरी	4,800		
ईंधन व बिजली	3,200		

31 मार्च 2006 को अन्तिम स्टॉक ₹ 8,600 था।

हल—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 23 (अथवा) देखें।

प्रश्न 10. X और Y साझेदार हैं। वे लाभ-हानि समान अनुपात में विभाजित करते हैं। उन्होंने Z को 1/4 भाग के लिये साझेदारी में प्रवेश दिया। सम्पत्तियों व दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर निम्नलिखित सहमति हुई—

(1) मशीनरी के मूल्य में ₹ 25,000 की वृद्धि होगी।

(2) विनियोग के मूल्य में ₹ 2,000 की वृद्धि होगी।

(3) बहियों में ₹ 1,000 के अदत्त बिल के प्रावधान की अब आवश्यकता नहीं है।

(4) भूमि व भवन के मूल्य में ₹ 12,000 की कमी होगी।

पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार करें।

हल : **पुनर्मूल्यांकन खाता**

विक. **समा.**

तिथि	विवरण	खा. प्र.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	खा. प्र.	राशि (₹)
	भूमि एवं भवन से		12,000		मशीन खाते को		25,000
	अदत्त बिल		1,000		विनियोग को		2,000
	लाभ (साझे. के पूँजी खाते में अंतरित)						
	X : 7,000						
	Y : 7,000		14,000				
			27,000				27,000

प्रश्न 11. हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड ने ₹ 100 प्रति अंश के 20,000 अंश जनसाधारण को अभिदान हेतु प्रस्तावित किये जिन पर भुगतान अग्र प्रकार किया जाना था—

आवेदन पर ₹ 30 प्रति अंश, आबंटन पर ₹ 30 प्रति अंश तथा शेष याचना पर। ₹ 30,000 अंशों के लिये आवेदन प्राप्त हुए। ₹ 5,000 अंशों के लिए आवेदन पूरी तरह अस्वीकृत कर दिये गये तथा प्रार्थना राशि लौटा दी गई। शेष प्रार्थियों को प्रस्तावित अंशों का आबंटन कर दिया गया। उनकी अधिक प्रार्थना राशि को आबंटन पर देय राशि में समायोजित कर दिया गया। आबंटन तक की राशि माँगी गई तथा समय पर प्राप्त हुई। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिये।

हल : हिन्दुस्तान लीवर लि. की पुस्तकों में—

पंजी प्रविष्टियाँ

तिथि	विवरण	खा.पृ.	विक. राशि	समा. राशि
1.	बैंक खाता विक.		9,00,000	
	अंश आवेदन खाते से			9,00,000
	(30,000 के लिए आवेदन राशि प्राप्त)			
2.	अंश आवेदन खाता विक.		6,00,000	
	अंश पूँजी खाते से			6,00,000
	(20,000 अंशों पर आवेदन राशि देय)			
3.	अंश आवेदन खाता विक.		1,50,000	
	बैंक खाते से			1,50,000
	(5,000 अंशों पर आवेदन राशि वापस की)			
4.	अंश आबंटन खाता विक.		6,00,000	
	अंश पूँजी खाते से			6,00,000
	(20,000 अंशों पर आबंटन राशि देय होने पर)			
5.	बैंक खाता विक.		4,50,000	
	अंश आवेदन खाता विक.		1,50,000	
	अंश आबंटन खाते से			6,00,000
	(5,000 अंशों की अतिरिक्त राशि का समायोजन)			
6.	अंश याचना खाता विक.		8,00,000	
	अंश पूँजी खाते से			8,00,000
	(20,000 अंशों पर याचना की राशि देय)			

अथवा

प्रश्न—एक कम्पनी ने ₹ 100 वाले 5,000, 10% ऋणपत्र 20% प्रीमियम पर जारी किये, जिनका भुगतान इस प्रकार होना था—

₹ 60 आवेदन पर

₹ 60 आबंटन पर (प्रीमियम सहित)

सभी ऋणपत्रों का अभिदान हुआ तथा राशि समय पर प्राप्त हुई। रोजनामचा प्रविष्टियाँ

दीजिए।

हल : **रोजनामचा प्रवष्टियाँ**

तिथि	विवरण	खा.पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1.	बैंक खाता विक.		3,00,000	
	10x ऋणपत्र आवेदन खाते से			3,00,000
	(5,000 ऋणपत्रों पर आवेदन राशि प्राप्त)			
2.	10x ऋणपत्र आवेदन खाता विक.		3,00,000	
	10x ऋणपत्र खाते से			3,00,000
	(5,000 ऋणपत्रों पर आवेदन राशि देय होने पर)			
3.	10x ऋणपत्र आबंटन खाता विक.		3,00,000	
	10x ऋणपत्र खाते से			2,00,000
	20x ऋणपत्र प्रीमियम खाते से			1,00,000
	(5,000 ऋणपत्रों पर प्रीमियम सहित आबंटन राशि देय होने पर)			
4.	बैंक खाता विक.		3,00,000	
	10x ऋणपत्र आबंटन खाते से			3,00,000
	(5,000 ऋणपत्रों पर आबंटन राशि प्राप्त)			

प्रश्न 12. निम्नलिखित सूचनाओं से दिसम्बर 2006 के लिए बैंक स्तम्भ रोकड़ बही बनाइए—

2006		₹
दिसम्बर 1	हस्तस्थ रोकड़	10,500
दिसम्बर 1	बैंक अधिविकर्ष	9,500
दिसम्बर 4	मजदूरी का भुगतान	500
दिसम्बर 7	रोकड़ विक्रय	10,000
दिसम्बर 9	रोकड़ बैंक में जमा	5,000
दिसम्बर 15	माल का क्रय व चेक द्वारा भुगतान	6,000
दिसम्बर 20	राहुल से रोकड़ प्राप्तियाँ	5,000
दिसम्बर 31	वेतन का भुगतान	2,000
हल :	**बैंक स्तंभ रोकड़ बही**	

विक. समा.

तिथि	विवरण	खा. पृ.	रोकड़	बैंक	तिथि	विवरण	खा. पृ.	रोकड़	बैंक
2006					2006				
दिस. 1	रोकड़ शेष		10,500	—	दिस. 1	अधिविकर्ष		—	9,500
दिस. 7	विक्रय खाते से		10,000	—	दिस. 4	मजदूरी खाते को		500	—
दिस. 9	रोकड़ खाते से	C	—	5,000	दिस. 9	बैंक खाते को	C	5,000	—
दिस. 20	राहुल से		5,000	—	दिस. 15	क्रय खाते को		—	6,000
दिस. 31	शेष नी/ले		—	10,500	दिस. 31	वेतन खाते को		2,000	—
					दिस. 31	शेष नी/ले		18,000	—
			25,500	15,500				25,500	15,500
2007					2007				
	शेष नी/ला		18,000		जन. 1	शेष नी/ला		—	10,500

प्रश्न 13. अ और ब एक फर्म में समान साझेदार हैं। 1 जनवरी, 2006 को उनकी पूँजी क्रमशः ₹ 3,00,000 व ₹ 2,00,000 है। वर्ष के दौरान उनका आहरण ₹ 3,000 प्रतिमाह प्रत्येक का है। पूँजी पर 6% वार्षिक ब्याज दिया जाता है। वर्ष का लाभ ₹ 4,00,000 है। लाभ-हानि नियोजन खाता व साझेदारों के पूँजी खाते तैयार कीजिए।

हल : **लाभ-हानि नियोजन खाता**

(31 दिसम्बर, 2006 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु)

विक. समा.

विवरण		राशि (₹)		विवरण	राशि (₹)
पूँजी पर ब्याज				शेष नी/ला	4,00,000
अ :	18,000				
ब :	12,000	30,000			
लाभ—(साझे. के पूँजी खाते में स्थां)					
अ :	1,85,000				
ब :	1,85,000	3,70,000			
		4,00,000			4,00,000

परिवर्तनशील दशा में

साझेदारों का पूँजी खाता

विक. समा.

विवरण	अ	ब	विवरण	अ	ब
आहरण खाते से	36,000	36,000	शेष नी/ला	3,00,000	2,00,000
शेष नी/ले	4,67,000	3,61,000	पूँजी पर ब्याज	18,000	12,000
			शुद्ध लाभ	1,85,000	1,85,000
	5,03,000	3,97,000		5,03,000	3,97,000

प्रश्न 14. एक कम्पनी ने ₹ 50 प्रति अंश के 400 अंशों को जब्त किया जिन पर ₹ 10 प्रति अंश आवेदन पर तथा ₹ 20 प्रति अंश आबंटन पर प्राप्त हुए हैं। ₹ 20 प्रति अंश की अन्तिम याचना राशि प्राप्त नहीं हुई है। इनमें से 300 अंशों को ₹ 40 प्रति अंश से पुनः

जारी किया गया। अंशों की जब्ती एवं उनके पुनर्निर्गमन की रोजनामचा प्रविष्टि दीजिए।

हल : **रोजनामचा प्रविष्टियाँ**

तिथि	विवरण		खा.पृ.	विक. राशि (₹)	समा. राशि (₹)
1.	बैंक खाता	विक.		4,000	
	अंश आवेदन खाते से				4,000
	(आवेदन राशि प्राप्त)				
2.	अंश आवेदन खाता	विक.		4,000	
	अंश पूँजी खाते से				4,000
	(आवेदन की राशि देय)				
3.	अंश आबंटन खाता	विक.		8,000	
	अंश पूँजी खाते से				8,000
	(आबंटन राशि देय)				
4.	बैंक खाता	विक.		8,000	
	अंश आबंटन खाता से				8,000
	(आबंटन राशि प्राप्त)				
5.	अंश अंतिम याचना खाता	विक.		8,000	
	अंश पूँजी खाते से				8,000
	(अंतिम याचना राशि देय)				
6.	अंश पूँजी खाता	विक.		20,000	
	अंश अंतिम याचना खाते से				8,000
	अंशहरण खाते से				12,000
	(अंशों का हरण किया)				
7.	बैंक खाता	विक.		12,000	
	अंश हरण खाता	विक.		3,000	
	अंश पूँजी खाते से				15,000
	(3000 अंशों का पुन: निर्गमन)				
8.	अंश हरण खाता	विक.		9,000	
	अंश पूँजी संचय खाते से				9,000
	(पूँजी संचय खाते में अंतरण)				
	(12,000-3,000)				

प्रश्न 15. राहुल के खाते में ₹ 12,600 का जमा शेष था। जुलाई 2006 में निम्नलिखित लेन-देन हुए—

2006

जुलाई 5 — उन्हें भुगतान किया ₹ 8,600

जुलाई 6 — उनसे उधार खरीदा ₹ 6,000

जुलाई 8 — उन्हें नकद चुकाये ₹ 3,000

राहुल का खाता तैयार कीजिए व शेष निकालिये।

हल—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 (दिसम्बर) का प्र. क्र. 17 देखें।

अथवा

प्रश्न—निम्नलिखित लेन-देनों को विक्रय बही में लिखिए—

2006

मार्च 4	जनक को माल बेचा—
	100 मीटर शर्टिंग दर ₹ 20 प्रति मीटर
	200 मीटर लट्ठा दर ₹ 5 प्रति मीटर
मार्च 10	पुराना फर्नीचर बेचा ₹ 200
मार्च 15	राज का माल बेचा—
	50 सफेद साड़ी दर ₹ 30 प्रति साड़ी
	100 सिल्क साड़ी दर ₹ 50 प्राति साड़ी व्यापारिक कटौती 10x
मार्च 20	मनीष को 10 मीटर शर्टिंग ₹ 20 प्रति मीटर दर से नकद बेचा।

हल : **विक्रय बही**

तिथि	विवरण	ना. चि.क.	खा. प्र.	राशि	शुद्ध राशि
2006					
मार्च-4	जनक को बेचा-100 मी. शर्टिंग ×				
	₹ 20 प्र. मी.			2,000	
	200 मी. लट्ठा × ₹ 5 प्र. मी.			1,000	3,000
मार्च-15	राज को बेचा-50 सफेद साड़ी ×				
	30 प्र. साड़ी			1,500	
	100 सिल्क साड़ी × ₹ 50 प्र. साड़ी				5,000
				6,500	
	(—) व्यापारिक छूट 10x			650	5,850
	योग				8,850

टीप—नकद व्यवहार (जो मार्च-10, मार्च-20) का लेखा विक्रय बही में नहीं किया जाता है।

प्रश्न 16. निम्नलिखित की सहायता से 31 जुलाई, 2001 को बैंक समाधान विवरण तैयार कीजिए—

	₹
(1) रोकड़ पुस्तक का शेष (डेबिट)	26,000
(2) चेक, बैंक में जमा कराये, किन्तु अभी तक वसूल नहीं हुए	11,800
(3) चेक ग्राहकों को दिये किन्तु भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं हुए	11,600
(4) बैंक ने जमा राशि पर ब्याज दिया	2,200
(5) बैंक कमीशन इत्यादि बैंक ने लिया	225
(6) बैंक ने बीमे की किस्त का भुगतान किया	1,375

हल : **बैंक समाधान विवरण**

(31 जुलाई, 2001 को)

विवरण	विस्तार राशि (₹)	राशि (₹)
रोकड़ पुस्तक के अनुसार नामे शेष		26,000
(+) जोड़िए :		
(i) चेक दिया भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं	11,600	
(ii) बैंक ने जमा राशि पर ब्याज दिया	2,200	13,800
		39,800
(−) घटाइये :		
(i) चेक बैंक में जमा कराये किन्तु अभी तक वसूल नहीं	11,800	
(ii) बैंक ने बैंक कमीशन आदि लिया	225	
(iii) बैंक ने बीमा का किश्त चुकाया	1,375	13,400
पास बुक के अनुसार जमा शेष		26,400

अथवा

प्रश्न—रोकड़ बही और पास बुक के शेष में अन्तर आने के क्या कारण हैं?

उत्तर—छात्र सेट-3 वर्ष (दिसम्बर) का प्र. क्र.-34 देखें।

प्रश्न 17. 31 दिसम्बर, 2007 को समाप्त होने वाले वर्ष के एक साहित्य समिति के निम्नलिखित विवरण हैं—

प्राप्त चन्दा ₹ 1,100 विनियोग पर ब्याज ₹ 380, भाषण से आय ₹ 2,320, किराया दिया ₹ 210, फुटकर व्यय ₹ 100, विज्ञापन व्यय ₹ 210, छपाई व्यय ₹ 125, समिति के पास नेशनल लाइब्रेरी के ₹ 1,000 वाले दस 4x ऋणपत्र हैं। 31 दिसम्बर को ₹ 80 किराये तथा ₹ 95 छपाई के अदत्त हैं। आय-व्यय खाता बनाइये।

हल—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 का प्र. क्र. 26 देखें।

अथवा

प्रश्न—प्राप्ति-भुगतान खाते को आय-व्यय में परिवर्तित करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

उत्तर—प्राप्ति भुगतान खाते से आय-व्यय खाता बनाते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए—

1. खाते का शीर्षक—सबसे पहले खाते का शीर्षक तथा वित्तीय वर्ष समाप्ति की तिथि लिखी जाती है। जैसे—आय-व्यय खाता (31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए)।

2. आय-व्यय की मदें—इस खाते में केवल आगमगत आय एवं आगमगत व्ययों को लिखा जाता है। अत: व्ययों को खाते के विकलन, तथा आय को समाकलन पक्ष में लिखा जाता है।

3. आय-व्यय की पूँजीगत मदें—आय-व्यय खाते में पूँजीगत आय एवं पूँजीगत व्ययों को नहीं लिखा जाता है।

4. चालू वर्ष का आय-व्यय—इस खाते में उसी वर्ष से संबंधित आगमगत आय एवं आगमगत व्ययों को लिखा जाता है।

5. रोकड़ शेष—आय-व्यय खाता, प्राप्ति-भुगतान खाते एवं समायोजनों के आधार पर बनाया जाता है। अत: प्राप्ति भुगतान में उल्लेखित प्रारंभिक एवं अंतिम रोकड़ शेष को आय-व्यय खाते में नहीं लिखा जाता है।

6. समायोजन—आयव्यय खाता बनाते समय समायोजनों पर विशेष ध्यान रखना आवश्यक

है।

7. चिट्ठा तैयार करना—आय-व्यय खाता तैयार करने के साथ-साथ चिट्ठा तैयार करना अत्यंत आवश्यक होता है।

(खण्ड-ब)

प्रश्न 18. (अ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए—

(1) आदर्श चालू अनुपात कितना होना चाहिए ?

उत्तर—2 : 1.

(2) देनदार आवर्त अनुपात किस बात का परिचायक है ?

उत्तर—यह इस बात का द्योतक है कि कंपनी अपने देनदारों से किस गति से रुपया एकत्र करती है।

(3) त्वरित अनुपात की गणना के लिये स्टॉक व पूर्वदत्त व्ययों को क्यों शामिल नहीं किया जाता ?

उत्तर—क्योंकि यह शीघ्रता से रोकड़ में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

(ब) रिक्त स्थान की पूर्ति करके कथन को उत्तर पुस्तिका में लिखिए—

(1) उत्तोलन अनुपात को.....अनुपात भी कहते हैं।

उत्तर—पूँजी ढाँचा।

(2) केवल.....कम्पनियाँ ही रोकड़ प्रवाह विवरण बनाती हैं।

उत्तर—सूचियत।

प्रश्न 19. निम्नलिखित सूचना से स्टॉक आवर्त की गणना कीजिए—

प्रारम्भिक स्टॉक	₹ 45,000
अन्तिम स्टॉक	₹ 55,000
क्रय	₹ 1,60,000

हल—छात्र सेट-1 वर्ष 2012 का प्र. क्र. 24 देखें।

प्रश्न 20. निम्नलिखित रोकड़ प्रवाहों को परिचालन क्रिया, विनियोजन क्रिया एवम् वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह में वर्गीकृत कीजिये—

(1) माल की नकद बिक्री

(2) कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं को नकद भुगतान

(3) कर्मचारियों को वेतन एवं मजदूरी का नकद भुगतान

(4) स्थायी सम्पत्तियों के क्रय पर नकद भुगतान

(5) अंशों के प्रीमियम पर निर्गमन से नकद प्राप्ति

(6) लाभांश का भुगतान।

हल—(क) परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह—

(i) माल की नकद बिक्री—स्टॉक अथवा माल की बिक्री की सामान्यत: व्यावसायिक क्रिया (रोकड़ अन्तर्वाह)

(ii) कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं को नकद भुगतान—माल के क्रय का नियमित भुगतान (रोकड़ बहिर्वाह)

(iii) वेतन एवं मजदूरी का नकद भुगतान—कर्मचारी को उनकी कार्यालयीन सेवाओं के लिए नकद भुगतान (रोकड़ बहिर्वाह)

(ख) विनियोजन क्रियाओं से बहिर्वाह—

(i) स्थायी सम्पत्तियों के अधिग्रहण के लिए नकद भुगतान दीर्घावधि सम्पत्तियों का क्रय

(रोकड़ बहिर्वाह)

(ग) वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह—(i) अंशों के प्रीमियम पर निर्गमन से रोकड़ प्राप्ति (रोकड़ अंतर्वाह)

(ii) लाभांशों का भुगतान—इसका संबंध अंशपूँजी निर्गमन से होता है।

(खण्ड-स)

प्रश्न 21. (1) प्रत्यक्ष श्रम किसे कहते हैं?

उत्तर—प्रत्यक्ष श्रम वह है जिसकी सेवा सीधे उत्पादन केन्द्रों एवं इकाइयों में ली जाती है।

(2) अर्द्ध परिवर्तनशील लागतें क्या हैं ?

उत्तर—यह वह लागत है जो आंशिक रूप से स्थिर तथा आंशिक रूप से उत्पादन की मात्रा के साथ परिवर्तनशील होता है।

(3) सामग्री निर्गमन की "पहले आना पहले जाना" पद्धति किस मान्यता पर आधारित है?

उत्तर—इस पद्धति में पहले क्रय किये गए सामग्री को पहले उत्पादन विभागों को निर्गमित किया जाता है।

(4) कौन-सी लागत प्रति इकाई समान रहती है?

उत्तर—परिवर्तनशील लागत।

(5) यदि कुल लागत ₹ 10,000 व हानि ₹ 500 है तो विक्रय मूल्य कितना होगा?

उत्तर—विक्रय मूल्य = कुला लागत − हानि

= 10,000 − 500

= ₹ 9,500

प्रश्न 22. राजन का मशीन निर्माता है जो वार्षिक उपयोग के लिए निश्चित पुर्जे की 3,600 इकाइयों का क्रय करता है। आदेश देने की लागत ₹ 200 तथा वर्ष के लिए एक इकाई रखने की लागत ₹ 4 है। मितव्ययी आदेश मात्रा की गणना कीजिए।

हल : मितव्ययी आदेश मात्रा की गणना का सूत्र—

$$E.O.Q\ (\%) = \sqrt{\frac{2 \times R \times C_o}{C_e}}$$

$$= \sqrt{2 \times 3600 \times \frac{200}{4}}$$

$$= \sqrt{3,60,000}$$

= 600 इकाईयाँ।

जहाँ R = वार्षिक उपयोग

C_0 = आदेश देने की प्रति आदेश लागत

C_e = प्रति इकाई वहन लागत

A = 3600 इकाइयाँ

C_0 = ₹ 200

C_e = ₹ 4

प्रश्न 23. निम्न सूचनाओं से कुल लागत की गणना करें—

प्रत्यक्ष सामग्री	1,60,000
प्रत्यक्ष श्रम	52,000
प्रत्यक्ष व्यय	19,000
कारखाना उपरिव्यय	45,000
कार्यालय एवं प्रशासनिक उपरिव्यय	28,000

विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय 33,000

हल : कुल लागत विवरण पत्र

विवरण		₹
प्रत्यक्ष सामग्री		1,60,000
प्रत्यक्ष श्रम		52,000
प्रत्यक्ष व्यय		19,000
	मूल लागत	2,31,000
कारखाना उपरिव्यय		45,000
	कारखाना लागत	2,76,000
कार्यालय एवं प्रशासनिक उपरिव्यय		28,000
	कुल उत्पादन लागत	3,04,000
विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय		33,000
	कुल लागत या विक्रय लागत	3,37,000

अथवा

प्रश्न—निम्न सूचनाओं से माल के विक्रय मूल्य की गणना कीजिए—

	₹
उत्पादन की लागत	1,45,000
निर्मित माल का प्रारम्भिक स्टॉक	22,000
निर्मित माल का अंतिम स्टॉक	6,000
विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय	25,000
लाभ	22,000

हल : विक्रय दर्शाता विवरण

विवरण	राशि ₹
उत्पादन की कुल लागत	1,45,000
(+) तैयार माल का प्रारंभिक स्टॉक	22,000
	1, 67, 000
(—) तैयार माल का अंतिम स्टॉक	6,000
	1,61,000
(+) विक्रय एवं वितरण उपरिव्यय	25,000
	1,86,000
(+) लाभ	22,000